राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 17 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-200 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने अनंतनाग बस हादसे में जवानों की मौत पर शोक जताया

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग क्षेत्र में एक बस के गहरी खाई में गिरने की घटना में सुरक्षा कर्मियों की मौत पर शोक प्रकट किया और हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुर्मू ने कहा जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में आईटीबीपी के जवानों की मौत से दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं। उन्होंने कहा मैं इस दुर्घटना में घायल हुए जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में एक बस के गहरी खाई में गिरने के कारण भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के कम से कम छह जवानों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सुरक्षाकर्मी अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौट रहे थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आईटीबीपी के 37 जवानों और दो पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस चंदनवाड़ी और पहलगाम के बीच गहरी खाई में गिर गई।

घाटी में फिर कश्मीरी पंडित सुनील कुमार की गोली मारकर हत्या, अनुपम खेर ने की निंदा

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में फिर से कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया गया है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों ने मंगलवार को दो कश्मीरी पंडित भाइयों पर गोलियां बरसाईं, जिसमें एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। अभिनेता अनुपम खेर ने घटना को शर्मनाक करार दिया। अनुपम खेर ने कहा कि ये उन तमाम लोगों के मुंह पर तमाचा है, जो 'कश्मीर फाइल्स' को काल्पनिक बता रहे थे। 5 लाख लोग जो अपने घरों से निकाल दिए गए थे, उनके बारे में बोल रहे थे कि ये हो नहीं सकता। मैं उनसे कहूंगा कि आपसे बड़ा पाखंडी मैंने जिदंगी में नहीं देखा। उन्होंने कहा कि ये शर्मनाक बात है कि अभी भी वहां कश्मीरी पंडितों के साथ वही अत्याचार हो रहा है। वहां अपने ही लोगों को मार रहे हैं। वहां पिछले 30 साल से ऐसा हो रहा है, इसकी जितनी भी निंदा की जाए वहां कम है। बता दें कि मृतक कश्मीरी पंडित की पहचान सुनील कुमार के तौर पर हुई है। जबकि उनका भाई पिंटू कुमार घायल हो गया है। शोपियां जिले के चोटीपुरा में सेब के एक बाग में आतंकवादियों ने नागरिकों पर हमला किया। उनकी गालीबारी में व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके की घेराबंदी की गई है।

इस्तेमाल हो चुके तिरंगों के निपटान के लिए एमसीडी और आरडब्ल्यूए ने कसी कमर

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) इस्तेमाल हो चुके तिरंगों को एकत्र कर ध्वज संहिता के तहत उनके निपटान के लिए कमर कस चुके हैं। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जुलाई को लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने का अनुरोध किया था। पीएम मोदी ने इस हर घर तिरंगा' अभियान करार दिया था। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हर घर तिरंगा अभियान को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद हम आने वाले दिनों में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के निर्धारित नियंत्रण कक्षों में बड़ी संख्या में इसतरह झंडे एकत्र होने की उम्मीद कर रहे हैं।'' संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार 12 अगस्त तक 20 करोड़ से अधिक तिरंगे आम लोगों के लिए उपलब्ध कराए गए थे। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक फटे हुए, क्षतिग्रस्त, इधर-उधर बिखरे और गंदे झंडों का गरिमामयी व सम्मानजनक तरीके से निपटान किया जाएगा।'' विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के शीर्ष निकाय यूनाइटेड रेजिडेंट्स जॉइंट एक्शन ऑफ दिल्ली (यूआरजेए) ने भी इस काम में एमसीडी की मदद करने की इच्छा जतायी है।

जम्मू-कश्मीर: अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौट रहे आईटीबीपी जवानों की बस खाई में गिरी

7 जवान शहीद...कई घायल

(एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में मंगलवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने के बाद भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के छह जवानों और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि 32 अन्य घायल हो गए। सुरक्षाकर्मी अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौट रहे थे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि ITBP के 37 जवानों और दो पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस चंदनवाड़ी और पहलगाम के बीच गहरी खाई में गिर गई। अधिकारी ने कहा कि आईटीबीपी के दो कर्मियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। छह घायल सुरक्षा कर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें उपचार के लिए हेलीकॉप्टर के जरिए श्रीनगर ले जाया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आईटीबीपी के 37 और जम्मू-कश्मीर पुलिस के तीन कर्मी अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौट रहे थे, जो 11 अगस्त को समाप्त हो चुकी है। दिल्ली में ITBP के एक प्रवक्ता ने कहा, '' '39 कर्मियों को ले जा रही एक बस कथित रूप से ब्रेक खराब हो जाने के कारण सड़क के किनारे नदी में गिर गई। जवान चंदनवाडी से पहलगाम की ओर जा रहे थे। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।'' अधिकारी ने बताया कि हताहतों को ले जाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (BSF) के हेलीकॉप्टर को तैनात किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत की पहल

रक्षामंत्री ने स्वदेश निर्मित कई हथियार सेना को सौंपें

नई दिल्ली ।

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़े कदम के तहत मंगलवार को भारतीय सेना को स्वदेश निर्मित कई हथियार सौंपें। इसमें एंटी-पर्सोनेल लैंड माइन निपुण, पैंगोंग झील में संचालन के लिए लैंडिंग क्राफ्ट अटैक, इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल और कई अन्य प्रणालियां शामिल हैं। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय सेना के इंजीनियर इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने कहा, सशस्त्र बलों के लिए हथियार प्रणालियों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए मोदी सरकार द्वारा पिछले कुछ समय में विभिन्न नीतिगत निर्णय लिए गए। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए आज सेना में कई नए स्वदेशी सैन्य उपकरण शामिल किए जा रहे हैं, जिसमें लैंड माइंस, पर्सनल वेपन्स और इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल शामिल हैं.लेफ्टिनेंट जनरल

सिंह ने कहा, मैं सेना प्रमुख की ओर से आश्वासन देता हूं, कि भारतीय सेना किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार है। चाहे वह रेगिस्तान हो या लद्दाख सेक्टर में ऊंचाई वाले स्थान हो। बता दें कि रक्षा मंत्रालय ने इस साल जून में 76,390 करोड़ रुपये के स्वदेशी सैन्य उपकरणों और प्लेटफार्मों की खरीद को मंजूरी दी थी।

फ़ोन पर हैलो की जगह 'वंदे मातरम' बोलने पर महाराष्ट्र में सियासी घमासान

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार द्वारा सभी सरकारी कार्यालयों में फ़ोन पर हैलो की जगह 'वंदे मातरम' बोलने की घोषणा को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है। विपक्ष ने इस फैसले को लेकर राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि भाजपा वंदेमातरम का राजनीतिकरण कर रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा ऐसे मुद्दे उठाकर राज्य की मूल परेशानियों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस के प्रवक्ता चरन सिंह सप्रा ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। सप्रा ने कहा कि 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' तो पहले से ही बोला जाता है। सरकार, राज्य की गंभीर समस्याओं को छोड़कर वंदे मातरम को प्राथमिकता देने में लगी हुई है, इसमें उनकी छुपी हुई राजनीति है। जनता के मुद्दों पर चर्चा करने से शिंदे-भाजपा सरकार भाग रही है। शिवसेना के उद्धव गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने भी सरकार के इस फैसले पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि वंदे मातरम तो लोग बहुत पहले से बोलते आ रहे हैं, लेकिन भाजपा के कहने से लोग बोलने लगेंगे, यह गलत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ढोंग करके वंदे मातरम का राजनीतिकरण करने में जुटी हुई है। दरअसल दो दिनों पहले महाराष्ट्र सरकार में सांस्कृतिक कार्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने घोषणा की थी कि अब से महाराष्ट्र में सभी सरकारी कार्यालयों में अधिकारी और कर्मचारी फोन पर अपनी बात की शुरुआत वंदे मातरम से करेंगे। हैलो के बजाय वंदे मातरम कहना अनिवार्य होगा। इस सिलसिले में आधिकारिक आदेश भी जल्द निकाला जाएगा। 'हैलो' इस विदेशी शब्द का त्याग करना जरूरी है। वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं है बल्कि हर भारतीय की भावना है। इस बयान के बाद विपक्ष इस मुद्दे पर आक्रामक हो गया।

राजस्थान में कोरोना ने फिर पसारे पैर, सक्रिय केस 4586 पर पहुंचे, जयपुर बना हॉट स्पॉट

जयपुर । महामारी कोरोना का घातक वायरस इन दिनों राजस्थान में अपना कहर बरपा रहा है। मौसमी बीमारियों के दौर में अगस्त के महीने में ही राजस्थान में कोरोना के साढ़े सात हजार से अधिक पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। इस दौरान कोरोना पीड़ित 11 लोगों की मौत हो चुकी है। राजस्थान में वर्तमान में सक्रिय केसेज की संख्या साढ़े चार हजार से ज्यादा बनी हुई है। वर्तमान में राजस्थान में जयपुर और अलवर कोरोना के हॉट स्पॉट बने हुये हैं। इन दो जिलों में कोराना के सबसे ज्यादा केस रिपोर्ट किए जा रहे हैं। राजस्थान में बढ़ते कोरोना केसेज ने चिंताएं बढा दी है। अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। उनके साथ ही कोरोना केसेज भी हर रोज बढ़ रहे हैं। अगस्त के महीने में राजस्थान में साढ़े सात हजार से ज्यादा पॉजिटिव केस रिपोर्ट किए जा चुके हैं। इस महीने में सबसे ज्यादा केस 14 अगस्त को रिपोर्ट हुये हैं। 14 अगस्त को एक ही दिन में आठ सौ से अधिक पॉजिटिव केस सामने आये थे। कोरोना के लगातार बढ़ रहे आंकड़ों पर स्वास्थ्य विभाग चिंतित तो रहा है लेकिन इसकी रोकथाम के लिये कोई अतिरिक्त प्रयास नहीं कर रहा है। राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त तक प्रदेश में एक्टिव केसों की संख्या 4586 है। सबसे ज्यादा एक्टिव केस राजधानी जयपुर में 1497 हैं। इसके अलावा अलवर में 722, भरतपुर में 348, उदयपुर में 534, नागौर में 103, जोधपुर में 127, दौसा में 148, चित्तौड़गढ़ में 182 और अजमेर में 190 एक्टिव केस हैं। राजस्थान में कोरोना संक्रमण की तेजी बढ़ती स्पीड के बावजूद अभी तक इसकी रोकथाम के लिये कोई अतिरिक्त प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए राहुल गांधी को मनाने की कवायद में जुटे वरिष्ठ कांग्रेसी

नई दिल्ली ।

शीर्ष नेतृत्व के लिए उम्मीदवार चुनना जैसे कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर होता जा रहा है अब वरिष्ठ रणनीतिकार राहुल गांधी को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने के कलायद में एक बार फिर जुट गए हैं, जिसकी वजह से कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में देरी हो सकती है। राहुल गांधी ने फिलहाल चुनाव लड़ने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं। राहुल गांधी की तरफ से कोई साफ जवाब न मिलने की वजह से कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक नहीं बुलाई जा रही है, जिसमें चुनाव की तारीख का ऐलान होना है। कांग्रेस की सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी के मुताबिक उसने चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है। मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व वाली केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण ने कहा है कि वे समय पर चुनाव के लिए तैयार हैं। अब गेंद कांग्रेस कार्यसमिति के पाले में है और उसे ही चुनाव की तारीखों का ऐलान करना है। पार्टी द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 21 अगस्त से शुरू होने वाली थी और 20 सितंबर से पहले उसे नया अध्यक्ष चुन लेना था। राज्यों के पार्टी अध्यक्ष भी 20 अगस्त तक चुन लिए जाने थे, लेकिन अब तक किसी राज्य में ये प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्य में तो अरसे से अध्यक्ष ही नहीं हैं। यूपी में

तो है ही नहीं और बिहार में इस्तीफा देने के बाद भी मदन मोहन ही काम देख रहे हैं। लेकिन राहुल गांधी के रुख के साफ न होने की वजह से नेतृत्व असमंजस में है और संगठन चुनाव समय से पूरे होने पर संशय है। राहुल गांधी को 7 सितंबर से 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत कन्याकुमारी से करनी है और ये यात्रा लंबी चलने वाली है, इसीलिए अगर तब तक चुनाव नहीं हुआ, तो इसमें और देरी की संभावना है। वैसे भी राहुल गांधी के नेतृत्व संभालने की हिचक के बाद कांग्रेस के रणनीतिकारों ने कहा कि अशोक गहलोत, मल्लिकार्जुन खड़गे, मुकुल वासनिक, कुमारी शैलजा और के। सी। वेणुगोपाल जैसे नामों पर विचार हो सकता है। हालांकि, राहुल के न मानने पर सोनिया गांधी के ही 2024 तक अध्यक्ष पद पर बने रहने की सबसे ज्यादा संभावना है।

बस हादसे में आईटीबीपी जवानों की मौत पर राहुल गांधी ने शोक जताया

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 39 जवानों से भरी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण कई लोगों की मौत पर मंगलवार को दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने ट्वीट किया, 'जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में आईटीबीपी के 39 जवानों से भरी बस के खाई में गिरने की ख़बर बेहद दुखद है। मैं घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने और शहीद जवानों की आत्मा की शांति की कामना करता हूं एवं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में मंगलवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने के बाद भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के छह जवानों और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि 32 अन्य घायल हो गए। आईटीबीपी कर्मी अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौट रहे थे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आईटीबीपी के 37 जवानों और दो पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस चंदनवाड़ी और पहलगाम के बीच गहरी खाई में गिर गई।

हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचा चीनी जासूसी शिप, 750 किलोमीटर दूर तक की कर सकता हैं निगरानी

भारत के लिए बना चिंता का विषय

नई दिल्ली । श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर युआन वांग 5 शिप आखिरकार पहुंच गया है। भारत ने शिप को इस लेकर चिंता जाहिर की थी, जिसके बाद श्रीलंकाई सरकार ने जासूसी जहाज के आगमन को टालने को लेकर चीन को पत्र भी लिखा था। युआन वांग 5 चीन का ट्रैकिंग शिप है। युआन वांग चीन की तरफ से उपग्रह और बैलिस्टिक मिसाइल के ट्रैकिंग और सपोर्ट में इस्तेमाल होता है। युआन वांग कोई एक जहाज नहीं है। बल्कि ये जहाजों का समूह हैं, युआन वांग के अंतर्गत अलग-अलग जहाजों की पूरी सीरीज है। युआन वांग समूह के जहाजों में युआन वांग 1 से लेकर युआन वांग 7 अलग-अलग जहाज कई वर्षों में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में शामिल हुए। युआन वांग 1 चीन की आर्मी में 1977 में शामिल हुआ। युआन वांग 21 और युआन वांग 22 भी है जो कि ट्रांसपोर्ट शिप है। हंबनटोटा बंदरगाह पर जो युआन वांग 5 पहुंचा है, वहां युआन वांग सीरीज की तीसरी जेनरेशन का ट्रैकिंग जहाज है और ये साल 2007 से चीन की आर्मी की सेवा में शामिल है। ये दोहरे उपयोग वाला जासूसी जहाज है। ये जहाज इंटर कांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का भी पता लगा सकता है। इसका वजन करीब 23,000 टन है और इस पर 400 नौसैनिकों का क्रू आसानी से आ सकता है। जहाज पर कई तरह के सेंसर्स लगे हुए हैं। भारत ने इसी वजह से सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इसपर आपत्ति जाहिर की थी।

मुंबई पुलिस ने गुजरात से जब्त किया 513 किलो ड्रग्स

ड्रग्स की कीमत 1,026 करोड़

मुंबई। (एजेंसी)

मुंबई की एनसीबी जोनल यूनिट एक बार फिर से सक्रिय हो गई है. मुंबई पुलिस का एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड पिछले कुछ महीनों से नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चला रहा है। अब एंटी नार्कोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर में एक ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर वहां से 513 किलोग्राम एमडी ड्रग्स (मेफेड्रोन) बरामद किया है. जब्त की गई ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1,026 करोड़ रुपये है. इस मामले में पुलिस ने एक महिला समेत 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें से 5 लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और दो आरोपी एंटी नार्कोटिक्स सेल की हिरासत में हैं. एंटी नार्कोटिक्स सेल द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि 29 मार्च 2022 के दिन एंटी नार्कोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने शिवाजी नगर गोवंडी से जो ड्रग्स की खेप पकड़ी थी उसके बाद से ही पुलिस इसका सोर्स पता लगाने में जुटी हुई थी. मुंबई पुलिस को इस खेप को पकड़ने में पांच महीने तक मशक्कत करनी पड़ी है. 29 मार्च के बाद से ही मुंबई पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स सेल इस पर लगातार काम कर रही थी. पुलिस को लगता है कि ये एक बड़ा अंतरराज्यीय ड्रग्स गिरोह है, जो कई राज्यों में फैला हुआ है. पुलिस के मुताबिक ये गिरोह खासतौर पर युवाओं को निशाना बनाता है. ये ड्रग्स हाई प्रोफाइल सर्कल में सप्लाई की जाती है. बता दें कि, बीती 29 मार्च को मुंबई पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने मुंबई के शिवाजी नगर इलाके से ड्रग तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया था. पुलिस ने इनके पास से करीब 4.5 करोड़ रुपये के एमडी (ड्रग्स) का स्टॉक भी जब्त किया था. तभी से पुलिस इस गिरोह की जांच में जुट गई थी.

- नालासोपारा से पकड़ी गई थी 1400 करोड़ की ड्रग्स

एंटी नार्कोटिक्स सेल ने इसके बाद बीते 3 अगस्त को मुंबई से सटे नालासोपारा इलाके से 1,403 करोड़ रुपये मूल्य का 701 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) जब्त किया था. इस मामले में पुलिस ने एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया था. इस रैकेट में शामिल महिला द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एक अन्य संदिग्ध को 2 अगस्त को हिरासत में लिया गया था. इस मामले के पांचवें आरोपी को 3 अगस्त को भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था. पांचवां आरोपी केमिस्ट्री ग्रेजुएट था. आरोपी अपनी इस नॉलिज का इस्तेमाल ड्रग्स बनाने में करता था. वह सोशल मीडिया के जरिए अपने ग्राहकों से संपर्क कर रहा था. सभी आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया था.

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

क्रांति समय बुधवार 17-अगस्त-2022

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

मुंबई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह तेजी तेल एवं गैस, बैंक व वाहन शेयरों में उछाल से आयी है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 379.43 अंक करीब 0.64 फीसदी ऊपर आकर 59,842.21 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 460.25 अंक तक उछला था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 127.10 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी ऊपर आकर 17,825.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 फायदे में रहे। थोक मुद्रास्फीति के जुलाई में पांच महीने के निचले स्तर 13.93 फीसदी पर आने से भी बाजार को बल मिला है। इसके साथ ही सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लि. और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में लिवाली (खरीददारी) से भी बाजार ऊपर आया है। बाजार जानकारों के अनुसार मुद्रास्फीतिक दबाव कम होने से घरेलू निवेशकों को शेयरों के बढ़ने की उम्मीद बनी हुई है। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लि.

और एचडीएफसी बैंक के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टाटा कसंल्टेंसी सर्विसेज और एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे। गत दिवस स्वतंत्रता दिवस के कारण बाजार बंद था। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में जबकि जापान का निक्की तथा हांगकांग का हैंगसेंग गिरे हैं। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में भी बढ़त रही।

एसबीआई के बाद इंडसइंड बैंक ने भी बढ़ाई ब्याज दरें

मुंबई । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाद एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक ने भी ब्जाद दरें बढ़ा दी हैं। अब इसमें इंडसइंड बैंक का नाम भी जुड़ गया है क्योंकि बैंक ने एफडी की ब्याज दर बढ़ाकर 6.75 प्रतिशत कर दिया है। इसका सीधा फायदा ग्राहकों को होगा। इंडसइंड बैंक से पहले भी एसबीआई और एक्सिस सहित कई बैंकों ने फिक्स्ड डिपोजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की थी। इस समय डिपॉजिट स्कीम और एफडी में 5 साल के लिए निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सी के तहत छूट का फायदा लिया जा सकता है। इतना ही नहीं 1.5 लाख रुपए तक के निवेश पर भी इनकम टैक्स की छूट का फायदा मिल सकता है। एफडी पर मिलने वाली ब्याज की दर सेविंग्स अकाउंट और करंट अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज से ज्यादा होती है। कुछ साल पहले तक तो यह ब्याज दर करीब 15 प्रतिशत तक थी लेकिन इस समय यह 7 से 9 प्रतिशत के बीच है। यह अलग-अलग बैंकों में अलग-अलग होता है। यदि आप बचत खाते का एफडी करवाते हैं तो 4 से 5 वर्ष में रकम दोगुनी हो सकती है। यह समय भी बैंकों पर निर्भर करता है।

आठ शहरों में औसत आवासीय कीमत पांच प्रतिशत बढ़ीं: रिपोर्ट

नई दिल्ली । आवास की मांग और निर्माण लागत बढ़ने से आठ प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्ति की कीमतों में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान औसत पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में आवास की कीमतों में सबसे अधिक 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई, सलाहकार कोलियर्स इंडिया और डेटा विश्लेषण फर्म लियासेस फोरास की यह रिपोर्ट आठ प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के रुझानों पर आधारित है। रिपोर्ट का शीर्षक 'हाउसिंग प्राइस-ट्रैकर रिपोर्ट 2022' है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान भारत में आवास कीमतें महामारी से पहले के स्तर को पार कर गईं। इससे संकेत मिलता है कि घर की मांग काफी तेज है और आपूर्ति पूरी तरह मांग के अनुरूप है।

अडाणी लॉजिस्टिक्स आईसीडी टम्ब का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली । अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडाणी लॉजिस्टिक्स ने कहा कि उसने आईसीडी टम्ब (वापी) का अधिग्रहण करने के लिए नवकार कॉर्प के साथ समझौता किया है। यह सौदा 835 करोड़ रुपए में होगा। अडाणी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (एएलएल) ने कहा कि इस सौदे में परिचालन आईसीडी का अधिग्रहण शामिल है, जिसकी क्षमता पांच लाख टीईयू (बीस फुट समकक्ष इकाई) को संभालने की है। कंपनी ने कहा कि अधिग्रहण एकीकृत परिवहन उपयोगिता और अखिल भारतीय लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे के निर्माण की उसकी रणनीति के अनुरूप है। टम्ब अडाणी लॉजिस्टिक्स के मौजूदा पोर्टफोलियो में सात मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क को जोड़ता है।

ग्रैंड विटारा पर 33,000 से अधिक बुकिंग हासिल

लॉन्च से पहले छा गई मारुति की यह एसयूवी

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी ने हाल ही में नई ग्रैंड विटारा पेश की है। एचटी ऑटो के अनुसार, मारुति सुजुकी ने पहले ही ग्रैंड विटारा पर 33,000 से अधिक बुकिंग हासिल कर ली है, जिसमें 48 प्रतिशत ग्राहकों ने कार के मजबूत-हाइब्रिड संस्करण को चुना है।मारुति सुजुकी ने कुछ साल पहले डीजल इंजन बाजार से बाहर कर दिया था जब भारत सरकार ने बीएस 6 उत्सर्जन नियमों की घोषणा की थी। इसने बहुत सारे खरीदारों को निराश किया जिन्हें डीजल इंजनों की कम चलने वाली लागत की आवश्यकता थी।मारुति ने आक्रामक रूप से सीएनजी वेरिएंट का प्रचार किया ।ग्रैंड विटारा के दमदार हाइब्रिड वेरिएंट में उन खरीदारों को अब डीजल इंजन का एक आदर्श विकल्प मिल गया है।मजबूत-हाइब्रिड विकल्प शानदार फ्यूल एफिशिएंसी देता है।यह डीजल की तरह या उससे भी ज्यादा इकनॉमिकल साबित हो सकता है।अभी इस कार की आधिकारिक कीमत की घोषणा नहीं की गई है।एआरएआई के आंकड़ों के मुताबिक, दमदार-हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ बिल्कुल नई ग्रैंड विटारा 27.97 किमी/लीटर का सॉलिट रिटर्न देती है।यह भारतीय बाजार में सबसे अधिक ईंधन कुशल एसयूवी बन जाएगी, भले ही डीजल इंजन का कोई विकल्प न हो। ग्रैंड विटारा के मजबूत हाइब्रिड वैरिएंट की मांग इसके टोयोटा हाइराइडर की बुकिंग में भी नजर आती है।वहां भी स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट की काफी डिमांड है।दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीजल कार और 15 साल पुरानी पेट्रोल कार बैन हैं।हाइब्रिड कार के साथ इस रिस्क की संभावना नहीं है।स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड के साथ ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन स्टैंडर्ड के तौर पर दिया गया है।ग्रैंड विटारा का माइल्ड हाइब्रिड वेरिएंट 114 बीएचपी की पावर देता है, जबकि माइल्ड हाईब्रिड के 101 बीएचपी का पावर कम होता है।

थोक महंगाई दर पांच महिने के निचले स्तर पर

मुंबई । खाद्य महंगाई में आई कमी की वजह से खुदरा महंगाई दर में गिरावट के बाद थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) में भी कमी देखी गई है। महंगाई दर गिरावट के साथ 14 प्रतिशत के स्तर से नीचे आ गई। एक महीने पहले थोक महंगाई दर 15 प्रतिशत के पार थी। जुलाई महीने में होलसेल महंगाई दर घटकर 13.93 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले जून में ये 15.18 फीसदी पर थी जबकि मई, 2022 में थोक महंगाई दर 15.88 फीसदी के स्तर पर थी। पांच महीने के सबसे निचले स्तर पर थोक महंगाई दर आ गई है। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम घटे थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहना चिंता का विषय है। ये ज्यादातर उत्पादक क्षेत्र को प्रभावित करती है। यदि थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक उच्च रहता है, तो प्रड्यूसर इसे कंज्यूमर्स को पास कर देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कर सकती है, क्योंकि उसे भी वेतन देना होता है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

एसबीआई ने रेपो रेट से जुड़े कर्जों की ब्याज दरें 0.50 फीसदी बढ़ाई

ब्याज दरों का सीधा असर ग्राहकों की ईएमआई पर होगा,15 अगस्त से लागू

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट में बढ़ोतरी करने के बाद अब देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने बाहरी बेंचमार्क और रेपो रेट से जुड़े कर्जों की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक होम और ऑटो लोन सहित बाहरी बेंचमार्क (ईबीएलआर) और रेपो रेट (आरएलएलआर) से जुड़े सभी तरह के कर्ज की ब्याज दरें 15 अगस्त से बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर ग्राहकों की ईएमआई पर होगा। इससे पहले महीने की शुरुआत में रिजर्व बैंक ने भी महंगाई पर काबू पाने के लिए रेपो रेट में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। एसबीआई ने 15 अगस्त से ही अपने एमसीएलआर में भी 0.20 फीसदी की वृद्धि की है। एमसीएलआर में बढ़ोतरी के बाद एक साल की ब्याज दर 7.70 फीसदी हो गई है, जो पहले 7.50 फीसदी थी। इसी तरह, दो साल का एमसीएलआर 7.9 फीसदी और तीन साल का 8 फीसदी हो गया है। अभी बैंक के ज्यादातर लोन एक साल की एमसीएलआर दर से जुड़े हुए हैं। आरबीआई के निर्देशों के बाद एसबीआई सहित ज्यादातर बैंकों ने अक्टूबर, 2019 से अपने कर्ज की ब्याज दरों को बाहरी बेंचमार्क या रेपो की ब्याज दरों से जोड़ रहे हैं। यही कारण है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का सीधा असर कर्ज की ब्याज दरों पर पड़ता है। एसबीआई के 50 आधार अंक की बढ़ोतरी करने के बाद बाहरी बेंचमार्क से जुड़े कर्ज की ब्याज दर बढ़कर 8.05 फीसदी पहुंच गई है, जबकि रेपो रेट आरएलएलआर से जुड़े कर्ज की ब्याज दर 7.65 फीसदी हो गई है। बैंक इसके ऊपर से क्रेडिट रिस्क प्रीमियम भी लेता है। एसबीआई सहित तमाम बैंक ग्राहकों के सिबिल स्कोर के मुताबिक कर्ज की ब्याज दरों में सीआरपी भी जोड़ते हैं। अगर किसी का सिबिल स्कोर 800 से ऊपर है तो उसमें कोई सीआरपी नहीं जुड़ेगा, लेकिन इससे कम सिबिल स्कोर होने पर 10 आधार अंक से लेकर 60 आधार अंक तक सीआरपी जोड़ा जा सकता है। ऐसे में आपका प्रभावी ब्याज दर 8.65 फीसदी तक जा सकता है।

भारत 2029 तक पांच हजार अरब की अर्थव्यवस्था बन सकता है: सुब्बाराव

हैदराबाद । (एजेंसी)

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा कि भारत 2028-29 तक पांच ट्रिलियन (पांच हजार अरब) डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके लिए हमें अगले 5 वर्षों के लिए लगातार 9 प्रतिशत की वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है। भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑन इंडिया एट द रेट आफ 75- मार्चिंग 5 ट्रिलियन इकोनॉमी विषय पर उन्होंने कहा कि भारत के लिए 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के सपने को हासिल करने के लिए आठ प्रमुख चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने राज्य सब्सिडी पर एक बहस शुरू की है और सभी राजनीतिक दल स्थिति के लिए दोषी हैं। उन्होंने आगाह किया कि राज्यों और केंद्र सरकार को यह महसूस करना चाहिए कि देश के पास अतिरिक्त बजट नहीं है और कुछ सुरक्षा उपायों की जरूरत है। उन्हें सतर्क और चयनात्मक होना चाहिए कि उधार के पैसे से क्या मुफ्त दिया जाए और आने वाली पीढ़ियों पर अनावश्यक कर्ज का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को हासिल करने के लिए हमें आठ प्रमुख चुनौतियां नजर

आती हैं। उनके अनुसार चुनौतियों में निवेश बढ़ाना, उत्पादकता, शिक्षा और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार, रोजगार पैदा करना, कृषि उत्पादकता बढ़ाना, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखना, वैश्विक मेगा रुझानों का प्रबंधन और शासन में सुधार करना शामिल है।

सोना 500 रुपए सस्ता, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से मंगलवार को देश के बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव 500 रुपए से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार करता दिखाई दिया। एमसीएक्स पर मंगलवार सुबह 5 अक्टूबर 2022 की डिलीवरी वाला सोना 1 फीसदी या 526 रुपए की बड़ी गिरावट के साथ 52,059 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। चांदी की वायदा कीमतें मंगलवार सुबह 1200 रुपए से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार करती दिखीं। मंगलवार सुबह 5 सितंबर 2022 की डिलीवरी वाली चांदी 1209 रुपए की गिरावट के साथ 58,076 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी। वहीं, 5 दिसंबर 2022 की डिलीवरी वाली चांदी 1165 रुपए की गिरावट के साथ 59,224 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी। चांदी की वैश्विक हाजिर और वायदा दोनों ही कीमतों में गिरावट दिखी है। चांदी का वैश्विक हाजिर भाव कॉमेक्स पर 0.30 फीसदी या 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 20.35 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। वहीं चांदी का हाजिर भाव 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 20.21 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखाई दिया।

टीवीएस लांच करेगी नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

- कंपनी ने किया 1,000 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली । (एजेंसी)

टीवीएस कंपनी जल्द ही एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें इलेक्ट्रिक स्कूटर, मोटरसाइकिल और थ्री-व्हीलर वाहन शामिल होंगे। आगामी इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक क्रेओन कॉन्सेप्ट पर बेस्ड हो सकता है, जिसे 2018 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। इसी तरह के डिजाइन वाले स्कूटर को टेस्टिंग के दौरान बेंगलुरु में देखा गया है। वर्तमान में टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचती है। हाल ही में इसका अपडेटेड 2022 मॉडल लॉन्च किया था। इसमें कुल तीन वेरिएंट आईक्यूब, आईक्यूब एस औरआईक्यूब एसटी मिलते हैं। इसका डिजाइन और स्टाइल काफी हद तक पहले वाले मॉडल जैसा ही है। इसमें 10 कलर ऑप्शन भी मिलते हैं। आईक्यूब की तुलना में टीवीएस के नए क्रेओन-बेस्ड इलेक्ट्रिक स्कूटर में फास्ट और ज्यादा एग्रेसिव स्टाइल होगा। टीवीएस के नए इलेक्ट्रिक स्कूटर को स्पोर्टी, मैक्सी-स्टाइल प्रोफाइल मिलने की संभावना है।आईक्यूब की तुलना में इसे मुख्य रूप से परफॉर्मेंस के लिए तैयार किया गया है। इसमें आईक्यूब की तरह भी कई खूबियां देखने को मिल सकती हैं। स्पॉट किए गए स्कूटर की सीट की ऊंचाई कम और एर्गोनॉमिक रूप से रखे हैंडलबार के साथ राइडिंग पोस्चर काफी आरामदायक लगता है। सीट लंबी और चौड़ी है और पीछे पीछे बैठने वाले के लिए भी पर्याप्त जगह है।आईक्यूब की तुलना में टीवीएस का नया इलेक्ट्रिक स्कूटर का परफॉर्मेंस बेहतर होगा। 2018 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित क्रेओन कॉन्सेप्ट ट्रिपल बैटरी पैक से लैस था, जो 12 किलोवाट शक्ति का उत्पादन करता था डुअल-बैटरी सेटअप के साथ फुल चार्ज होने पर रेंज 145 किमी है। टॉप स्पीड 82 किमी प्रति घंटा है। 650 वॉट के नए चार्जर से बैटरी को 0 से 80फीसदी तक 5 घंटे में चार्ज किया जा सकता है। आईक्यूब की तरह टीवीएस के नए इलेक्ट्रिक स्कूटर में टीवीएस स्मार्टोक्सानेक्ट ऐप कनेक्टिविटी फीचर्स मिल सकता है।। स्कूटर की रेंज का दावा लगभग 80 किमी पर किया गया था और यह 5.1 सेकंड में 0 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है। नए आईक्यूब का टॉप-स्पेक वेरिएंट डुअल बैटरी पैक से लैस है।

महिंद्रा और फॉक्सवैगन ने किया समझौता

लंदन । (एजेंसी)

महिंद्रा समूह और प्रमुख वैश्विक ऑटो कंपनी, फॉक्सवैगन ने मुंबई स्थित ऑटोमेकर के नए इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म इंगलो के लिए एमईबी (मॉड्यूलर इलेक्ट्रिक ड्राइव मैट्रिक्स) इलेक्ट्रिक कल पुर्जो की आपूर्ति पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो इस साल की शुरुआत में हुए साझेदारी समझौते को और गहरा करता है। साझेदारी का मकसद, जीवनकाल में 10 लाख से अधिक इकाइयों की मात्रा तैयार करने का है और इसमें एमईबी कल पुर्जो के साथ पांच ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी के उपकरण शामिल हैं। कंपनियों ने कहा कि इसके अलावा, दोनों कंपनियां भारतीय ऑटोमोटिव बाजार के विद्युतीकरण में तेजी लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक गठबंधन का रास्ता खोलते हुए सहयोग के लिए और अवसर तलाशेंगी। महिंद्रा ने ब्रिटेन के बैनबरी में अपने बॉर्न ईवी विज़न अनावरण कार्यक्रम में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज का प्रदर्शित किया। इलेक्ट्रिक 'स्पोर्ट्स यूटिलिटी' वाहन (एसयूवी) को बिल्कुल नए इंगलो प्लेटफॉर्म ढांचे पर पेश किया जाएगा और इन्हें इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन, बैटरी सिस्टम और बैटरी सेल सहित एमईबी कलपुर्जो से लैस करने की परिकल्पना की गई है। कंपनियों ने कहा कि भारत के लिए संभावित रणनीतिक गठबंधन की दिशा में अगले कदम के रूप में, दोनों कंपनियां ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सहमत हुई हैं, जिसमें वाहन परियोजनाएं, बैटरी सेल निर्माण का स्थानीयकरण और भारत में इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चार्जिंग और ऊर्जा समाधान शामिल हैं।

मानसून के चलते अगस्त में ईंधन की खपत में आई कमी

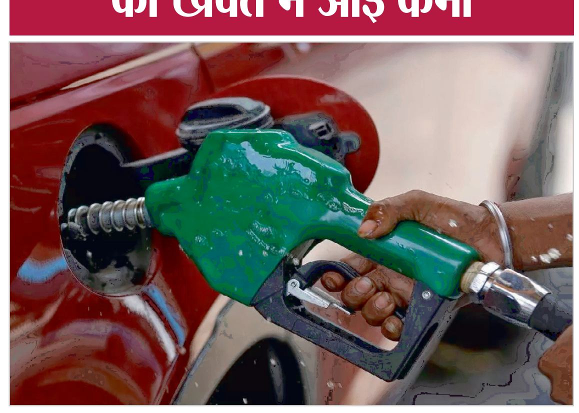

नई दिल्ली । (एजेंसी)

उद्योग जगत के प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में डीजल की मांग में लगातार दूसरे महीने गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि मांग में यह गिरावट मानसून की वजह से हुई है। मानसून के कारण कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ईंधन खपत काफी कम हो गई है। पेट्रोल और डीजल की मांग जुलाई में मासिक आधार पर घट गई थी।

दूसरी ओर अगस्त की पहली छमाही में पेट्रोल की खपत लगभग स्थिर है और डीजल की मांग 11.2 प्रतिशत गिरकर 28.2 लाख टन रह गई। पिछले महीने की समान अवधि में डीजल की खपत 31.7 लाख टन थी। मानसून के आगमन और तेजी पकड़ने से देश में डीजल की मांग पर भारी असर पड़ता है। ऐसे में परंपरागत रूप से खपत अप्रैल-जून की तुलना में जुलाई-सितंबर में कम होती है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई पंपों और ट्रकिंग में डीजल का उपयोग किया जाता है, और ये मांग बारिश की शुरुआत के साथ घट जाती है। हालांकि, डीजल की मांग एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 32.8 प्रतिशत अधिक है। ऐसा कम आधार प्रभाव और आर्थिक गतिविधियों में तेजी के चलते है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 में 1-15 अगस्त के दौरान डीजल की खपत 17.8 लाख टन थी और इसके मुकाबले समीक्षाधीन अवधि में यह आंकड़ा 58.2 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा अगस्त 2019 की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है।अगस्त के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री 0.8 प्रतिशत बढ़कर 12.9 लाख टन हो गई, जबकि इससे पिछले महीने की समान अवधि में यह आंकड़ा 12.8 लाख टन था।

कच्चा तेल 88.46 डॉलर प्रति बैरल, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान बड़ी गिरावट देखी गई है। चीन में आर्थिक गतिविधियां सुस्त होने से वहां कच्चे तेल की प्रोसेसिंग मार्च, 2020 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। इसका सीधा असर वैश्विब बाजार में क्रूड की कीमतों पर दिखा। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। मुंबई में आज पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब चार डॉलर घटकर 93.96 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई तीन डॉलर से ज्यादा गिरकर 88.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

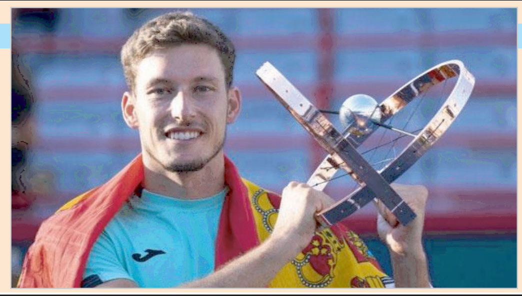

पाब्लो कारेनो बस्टा ने मांट्रियल में पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता

मांट्रियल ।

स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने आठवीं वरीयता प्राप्त पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज को 3.6, 6.3, 6.3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस खिताब जीत लिया। वर्ष 2002 में अर्जेंटीना के गुलिएरमो कानास के बाद वह खिताब जीतने वाले पहले गैर वरीय खिलाड़ी हैं। यह उनका सातवां एटीपी टूर खिताब और पहला मास्टर्स 1000 खिताब है। फाइनल में अब उनका रिकॉर्ड 7-5 का हो गया जबकि हुरकाज का रिकॉर्ड 5-1 का है।

फीफा ने एआईएफएफ को निलंबित किया, महिला विश्व कप आयोजन खतरे में पड़ा

ज्यूरिख ।(एजेंसी)

विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एआईएफएफ को निलंबित कर दिया है। फीफा ने कहा है कि तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को देखने के बाद ही एआईएफएफ को निलंबित करना पड़ा है। ऐसे में अब भारत में 11 से 30 अक्टूबर तक होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी खतरे में पड़ गयी है। फीफा ने कहा है कि निलंबन तत्काल प्रभाव से लागू होगा। साथ ही कहा कि यह निलंबन तभी हटेगा, जब एआईएफएफ कार्यकारी समिति की जगह प्रशासकों की समिति के गठन का फैसला वापस लिया जाएगा और एआईएफएफ प्रशासन को महासंघ के कामकाज की पूरी आजादी रहेगी।

.फीफा ने कहा कि अगर निलंबन बना रहता है ताक अंडर-17 महिला विश्व कप पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत में नहीं हो सकता। साथ ही यह भी कहा कि फीफा भारत के खेल मंत्रालय से संपर्क में बना हुआ है और उसे सकारात्मक परिणाम तक पहुंचने की उम्मीद है। गौरतलब है कि विश्वकप मुकाबले 11 से 30 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। फीफा भी टूर्नामेंट के संबंध में अगले कदमों का आंकलन रहा है और जरूरत पड़ने पर इस मामले को परिषद के पास भेजा जाएगा। वहीं भारत के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने कहा था पूर्व खिलाड़ी ब्रूनो कोटिन्हो और आईएम विजयन अखिल आईएफएफ अध्यक्ष पद के लिए सबसे बेहतर उम्मीदवार रहेंगे।

चुनाव अधिकारी ने 67 मतदाताओं की पहली सूची जारी की है, जिसमें 31 राज्य इकाइयों के प्रतिनिधि और 36 फुटबॉल खिलाड़ी शामिल हैं हालांकि फीफा मतदाताओं के तौर पर खिलाड़ियों को शामिल किये जाने पर तैयार नहीं था।

आयरलैंड के दिग्गज ऑल-राउंडर केविन ओ'ब्रायन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

डबलिन ।(एजेंसी)

आयरलैंड के दिग्गज ऑल-राउंडर केविन ओ'ब्रायन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। आयरलैंड में क्रिकेट की रूपरेखा बदलने वाले ओ'ब्रायन ने 2006 में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। आयरलैंड के सह-सदस्य से टेस्ट मैच टीम बनने के सफर में ओ'ब्रायन का किरदार बेहद अहम रहा था। आयरिश दिग्गज ने अपने दो दशक के करियर में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। ओ'ब्रायन एकदिवसीय मैचों में आयरलैंड के लिये सर्वाधिक विकेट (114) लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा आईसीसी पुरुष विश्व कप में सबसे तेज शतक जड़ने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। ओ'ब्रायन ने विश्व कप 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ 327 रन का पीछा करते हुए 50 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने इस पारी में 13 चौके और छह गगनचुंबी छक्के जड़ते हुए 63 गेंदों पर 113 रन बनाए थे और अपनी टीम को ऐतिहासिक विश्व कप जीत दिलायी थी। ओ'ब्रायन टेस्ट क्रिकेट में आयरलैंड के पहले और एकलौते शतकवीर भी हैं। उन्होंने 14 मई 2018 को पाकिस्तान के खिलाफ डबलिन में खेले गये टेस्ट मैच में 118 रन की पारी खेली थी। अड़तीस वर्षीय ओ'ब्रायन अपने सुसज्जित करियर को अलविदा कहते हुए पहले ही कोचिंग की ओर बढ़ गये हैं। वह इस समय एस्टोनिया के परामर्शदाता की भूमिका निभा रहे हैं, जो टी20 विश्व कप 2024 के क्वालीफिकेशन की तैयारी कर रही है।

हॉकी : दो साल बाद सुल्तान अजलन शाह कप की वापसी, सामने आया शेड्यूल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सुल्तान अजलन शाह कप अंतरराष्ट्रीय पुरुष हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन दो साल बाद 16 से 25 नवंबर के बीच मलेशिया के इपोह में किया जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का पिछले दो वर्षों से आयोजन नहीं किया जा सका था। आखरी बार इसका आयोजन 2019 में हुआ था जब दक्षिण कोरिया ने फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीता था। एशियाई हॉकी महासंघ के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, 'हम इस साल नवंबर में अजलन शाह कप का आयोजन करने के लिए तैयार हैं। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया सहित छह टीमों को आमंत्रित किया है और हमें उम्मीद है कि वह हमारा आमंत्रण स्वीकार करेंगे।

भारतीय फुटबॉल महासंघ को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। केन्द्र सरकार ने विश्व फुटबॉल संचालन संस्था (फीफा) के एआईएफएफ को निलंबित किये जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट से शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया था। केन्द्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की पूरी जानकारी देते हुए बुधवार को ही सुनवाई की मांग की थी। जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार कर लिया। इससे पहले फीफा ने एआईएफएफ के कामकाज में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेत को देखते हुए इसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फीफा के इस फैसले से भारत में अक्टूबर में होने वाले अंडर-17 महिला विश्वकप की मेजबानी तक खतरे में पड़ गयी है। इसी को देखते हुए केन्द्र सरकार इस मामले को शीघ्र हल करना चाहती है। एआईएफएफ को अपने 85 साल के इतिहास में पहली बार फीफा निलंबन झेलना पड़ रहा है।

निलंबन के कारण भारतीय फुटबॉल टीम किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में भी शामिल नहीं हो सकती इसलिए इसका हटना जरुरी है। फीफा की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि फीफा काउंसिल ने आम राय से एआईएफएफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है क्योंकि उसके कामकाज में तीसरी पार्टी का हस्तक्षेप हो रहा था। यह फीफा के संविधान का उल्लंघन है और इसीलिए एआईएफएफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जा रहा है।

एआईएफएफ पर लगा यह प्रतिबंध अब तभी हट सकता है जब एईआईएफएफ कार्यकारी कमेटी को पूरी तरह से हटा कर उसकी जगह सीओए कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स को नियुक्त किया जाये जिससे एआईएफएफ को कामकाज की पूरी आजादी मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

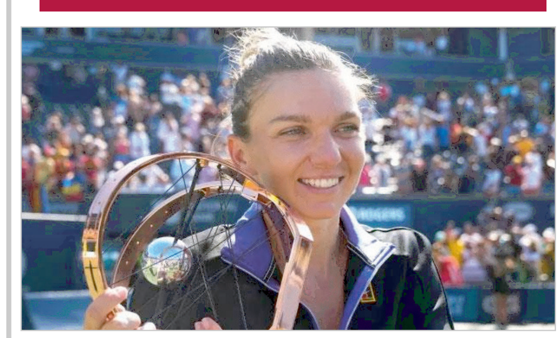

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिमोना हालेप ने जीता टोरंटो ओपन का खिताब

टोरंटो । विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिमोना हालेप ने रविवार को ब्राज़ील की बीट्रिज़ हद्दाद माइया को हराकर टोरंटो ओपन खिताब जीता। रोमानिया की हालेप ने अपनी ब्राज़ीलियन प्रतिद्वंदी को 6-3, 2-6, 6-3 से हराकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष 10 में अपनी वापसी पर मुहर लगाई। हालेप ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '(हद्दाद मैया) के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता। उन्होंने मुझे कुछ हफ्ते पहले हराया था। मुझे पता था कि यह एक अच्छी चुनौती और अच्छा मुकाबला होगा। मैं वास्तव में खुश हूं कि महत्वपूर्ण क्षणों में मैं मजबूत प्रदर्शन कर पाई।' हालेप ने कनाडा में अपनी इस जीत के साथ तीसरी बार नेशनल बैंक ओपन का खिताब हासिल किया। हालेप की टोरंटो में यह पहली जीत है, जबकि उनके पिछले नेशनल बैंक ओपन खिताब मॉन्ट्रियल में आए थे।

न्यूजीलैंड 'ए' और ऑस्ट्रेलिया 'ए' की टीमें भारत दौरे पर आयेंगी

नयी दिल्ली, भारत 'ए' टीम आठ महीने में अपना पहला प्रतिस्पर्धा मुकाबला न्यूजीलैंड 'ए' टीम के खिलाफ सितंबर-अक्टूबर में खेलेगी जबकि ऑस्ट्रेलिया की 'ए' टीम नवंबर में भारत दौरे पर आयेगी। 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 'ए' कार्यक्रम 'वीवीएस लक्ष्मण और उनके एनसीए सहयोगी स्टाफ समूह साईराज बहुतुले और सितांशु कोटक द्वारा संचालित किया जाएगा।' भारत 'ए' की टीम ने इससे पहले पिछले साल नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्लूमफोनटेन में तीन अनौपचारिक टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भाग लिया था। न्यूजीलैंड की ए' टीम इस महीने के आखिर में भारत पहुंच जायेगी। टीम तीन चार-दिवसीय मैचों की श्रृंखला में भाग लेगी। यह सभी लिस्ट 'ए' मैच बेंगलुरु में खेले जायेंगे। इस दौरे पर गुलाबी गेंद (दिन-रात्रि टेस्ट) से भी एक मैच खेला जा सकता है लेकिन इसके लिए बीसीसीआई से मंजूरी मिलना बाकी है। न्यूजीलैंड ''ए'' टीम ने 2017-18 दौरे पर भी विजयवाड़ा में गुलाबी गेंद से एक मैच खेला था। इस दौरे का आयोजन दलीप ट्रॉफी के साथ होगा जिसे आठ से 25 सितंबर तक खेला जायेगा। बीसीसीआई क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से भी ''ए'' टीम के भारत दौरे के लिए बात कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''बीसीसीआई क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ साल के अंत में दौरे के लिए बातचीत कर रहा है । इस दौरे के नवंबर में होने की संभावना है। यह दौरा रणजी ट्रॉफी की शुरुआत से पहले और बांग्लादेश में होने वाले भारत के अगले टेस्ट कार्यक्रम से पहले होगा।

फाफ डू प्लेसिस सुपर किंग्स का नेतृत्व करेंगे, फ्रेंचाइजी ने 3.75 लाख डॉलर में खरीदा

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस अगले साल से शुरू होने वाले क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) द्वारा उद्घाटन टी20 लीग में जोहान्सबर्ग सुपर किंग्स का नेतृत्व करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रैंचाइजी ने डुप्लेसिस को 3.75 लाख अमरीकी डॉलर में अपने 5 प्रत्यक्ष अनुबंधों में से एक के रूप में चुना है। फ्रेंचाइजी का स्वामित्व चेन्नई सुपर किंग्स स्पोर्ट्स लिमिटेड के पास है जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स की कम्पनी है। पक्ष ने मोईन अली (4 लाख डॉलर में) की सेवाएं भी हासिल कर ली हैं। डु प्लेसिस ने 100 मैचों में सीएसके का प्रतिनिधित्व किया है। जोहान्सबर्ग फ्रैंचाइजी ने एक अन्य सीएसके खिलाड़ी महेश थीक्षाना (2 लाख डॉलर), एक श्रीलंकाई ऑफस्पिनर को भी चुना है। टीम ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड (1.75 लाख डॉलर) और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्ज़ी (50 हजार डॉलर) को भी चुना है। फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ में सीएसके के सदस्य भी शामिल हैं। स्टीफन फ्लेमिंग इसके मुख्य कोच के रूप में काम करेंगे, जबकि एरिक सिमंस उनके सहायक कोच के रूप में काम करेंगे। फ्रैंचाइज़ी दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर एल्बी मोर्कल को भी साइन करने की कगार पर है जिन्होंने 2008-2013 तक सीएसके का प्रतिनिधित्व किया था। इंग्लैंड के खिलाड़ी सूची में हावी हैं जिसमें स्टार जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन प्रत्येक के लिए आधा मिलियन डॉलर की पेशकश है। मोईन इस सूची में तीसरे सबसे महंगे हैं। उन्होंने यूएई के इंटरनेशनल लीग टी20 के लिए भी साइन किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि वह सीएसए की लीग या यूएई की लीग में शामिल होंगे या नहीं क्योंकि दोनों जनवरी-फरवरी 2023 में एक साथ चलेंगी। गौर हो कि छह फ्रेंचाइजी को 30 मार्की खिलाड़ियों की सूची से सीधे

हस्ताक्षर करने की अनुमति है जिसे सीएसए ने हाल ही में अंतिम रूप दिया है। उन्हें 17 खिलाड़ियों की एक टीम की ताकत रखने की अनुमति है। वे इस साल 20 सितंबर को होने वाली नीलामी में शेष बारह खिलाड़ियों को चुनेंगे। सभी फ्रेंचाइजी को 2 मिलियन डॉलर का नीलामी पर्स दिया गया है, लेकिन नियमों के अनुसार अधिकतम वेतन 250,000 डॉलर काटा जाएगा।

टेस्ट और टी20 क्रिकेट साथ-साथ चल सकते हैं : स्ट्रॉस

लंदन । दुनिया भर में टी-20 क्रिकेट की फ्रेंचाइजी लीग के बढ़ते चलन के बावजूद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट और टी20 सहजता से एक दूसरे के साथ आगे बढ़ सकते हैं। वर्तमान में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की क्रिकेट समिति के चेयरमैन स्ट्रॉस ने इस नतीजे पर पहुंचने से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए ढाई महीने की 'विंडो' (टूर्नामेंट के लिये रखा गया समय) पर भी गौर किया। स्ट्रॉस ने कहा, 'एक बात जो कि हम दूसरे देशों के बारे में जानते हैं कि वहां टेस्ट क्रिकेट कमाई नहीं करता जैसे कि यहां करता है।' उन्होंने कहा, 'टी-20 वह प्रारूप है जो नए लोगों को इस खेल से जोड़ता है। मेरा तब भी मानना है कि यह दोनों प्रारूप टेस्ट और टी-20 क्रिकेट सहजता से एक साथ चल सकते हैं।' स्ट्रॉस ने कहा, 'लेकिन चुनौती उपयुक्त कार्यक्रम तैयार करने की है ताकि खिलाड़ी इन दोनों प्रारूपों खेल सके। यह वास्तव में जटिल काम है।' हाल में न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने केंद्रीय अनुबंध छोड़ दिया था ताकि वहां फ्रेंचाइजी क्रिकेट को अधिक समय दे सकें। स्ट्रॉस ने कहा, 'यह निश्चित रूप से लगता है कि इस समय सही है, बदलाव की दर बढ़ रही है। और सच्चाई यह है कि हम में से कोई नहीं जानता कि आगे क्या होने वाला है ताकि आप भविष्य के लिए योजना बना सकें।'

विश्व कप क्वालीफाइंग में डोपिंग के दोषी पाए गए दो खिलाड़ी प्रतिबंधित

ज्यूरिख । विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था-फीफा ने विश्व कप क्वालीफाइंग के दौरान डोपिंग के दोषी पाए गए दो खिलाड़ियों पर चार साल का प्रतिबंध लगाया है। फीफा ने सोमवार को बयान में कहा कि अल सल्वाडोर के फॉरवर्ड एरिक एलेजांद्रो रिवेरा का पिछले साल आठ सितंबर को कनाडा से 3-0 से हारने के बाद परीक्षण किया गया और उन्हें स्टेरॉयड क्लॉस्टेबोल के सेवन का दोषी पाया गया। जिबूती के साबरी अली मोहम्मद का 12 नवंबर को अल्जीरिया से 4-0 की हार के बाद किया गया परीक्षण टेस्टोस्टेरोन के लिए पॉजिटिव पाया गया। दोनों खिलाड़ियों को तब अस्थाई रूप से निलंबित किया गया था। फीफा ने अब कहा है कि रिवेरा को पांच अक्टूबर 2025 जबकि मोहम्मद को 11 जनवरी 2026 तक निलंबित किया गया है। अल सल्वाडोर और जिबूती दोनों देश विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पाए थे।

खेल को अलविदा कहने से पहले ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं शरत कमल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

उम्र के साथ प्रदर्शन के मामले में और निखरते जा रहे टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल खेल को अलविदा कहने से पहले ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन ने उनका हौसला बुलंद कर दिया है। चालीस वर्ष के शरत ने बर्मिंघम खेलों में चार पदक जीते। उन्होंने मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता और 16 साल बाद एकल स्वर्ण भी अपने नाम किया। पिछले दो दशक से खेल रहे शरत का अभी संन्यास का इरादा नहीं है और ओलंपिक पदक जीतने के लिये दो साल और खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अच्छा लगा। इस बार मैने चार पदक जीते। फिटनेस सफलता की कुंजी है और मैं खुद को फिट रखने के लिए काफी मेहनत करता आया हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपने शरीर और दिमाग को फिट रखना चाहता हूं क्योंकि युवाओं में काफी फुर्ती है और मुझे उनसे मुकाबला करना है।' राष्ट्रमंडल खेलों में 13 और एशियाई खेल 2018 में दो कांस्य पदक जीत चुके शरत ने कहा, 'पदक जीतने की भूख अभी भी है। मैं हमेशा बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं। अभी दो साल के बारे में सोच रहा हूं। पेरिस ओलंपिक में हम टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करके पदक जीत सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह प्रक्रिया है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद एशियाई खेल और फिर ओलंपिक।' भारत के सबसे कामयाब टेबल टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि भारत में इस खेल का परिदृश्य बदल गया है। उन्होंने कहा, 'देश में टेबल टेनिस की लोकप्रियता बढ़ी है और मुझे खुशी है कि हम अपने प्रदर्शन से आने वाली पीढी को प्रेरित कर सकें है।' उन्होंने कहा, 'पहले मेरी रैंकिंग 130 थी जो अब 38 है और साथियान की रैंकिंग 36 है। हमारे पास इतनी ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी कभी नहीं थे।

जिम्बाब्वे दौरे पर गयी भारतीय क्रिकेट टीम पानी की कमी से जूझ रही

मुम्बई । एकदिवसीय सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम को यहां पानी की परेशानी से जूझना पड़ रहा है। भारत और जिम्बाब्वे की टीम के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की यह सीरीज 18 अगस्त से होगी। जलसंकट को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम से कम से कम पानी का इस्तेमाल करने को कहा है। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के कप्तान लोकेश राहुल और अन्य खिलाड़ियों से कहा है कि वो जितना हो सके पानी बचाएं और नहाने के लिए भी कम से पानी का उपयोग करें। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'हां, हरारे में पानी की स्थिति गंभीर है और खिलाड़ियों को इसके बारे में बताया गया है। उन्हें किसी भी तरह से पानी की बर्बादी न करने और कम से कम समय के लिए नहाने को कहा गया है। इसके अलावा, पानी बचाने के लिए टीम के पूल सत्र में भी कमी की गयी है।' इससे पहले साल 2016 में भी जिम्बाब्वे दौरे पर गयी भारतीय टीम को पानी की कमी झेलनी पड़ी थी। तब भारतीय टीम जिस होटल में रुकी थी उसके पास अपने मेहमानों को पिलाने तक के लिए पानी नहीं बचा था हालांकि अभी भारतीय टीम को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ रहा है।पानी की किल्लत की वजह से सीरीज पर भी प्रभाव पड़ा है। यहां तक कि पिच भी सूखी नजर आ रही है।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।

आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं ? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है ? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूंढें ? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8 :00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय मूल के बैंकर और डॉयचे बैंक के पूर्व को-सीईओ अंशु जैन का कैंसर से निधन

फ्रैंकफर्ट।। भारतीय मूल के बैंकर और डॉयचे बैंक के पूर्व सह-सीईओ अंशु जैन का निधन हो गया। 59 वर्षीय अंशु पिछले पांच साल से कैंसर से जूझ रहे थे। उनके परिवार ने एक बयान में कहा कि हमें गहरा दुख है कि हमारे प्यारे पति, बेटे और पिता अंशु जैन का निधन हो गया। उन्हें 2017 में अपनी इस बीमारी के बारे में पता लगा था। इस दौरान बैंक के अध्यक्ष एलेक्जेंडर वायनांड्स ने बयान जारी कर कहा कि अंशु ने बैंक के वैश्विक पूंजी बाजार कारोबार के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह 1995 में डॉयचे बैंक में शामिल हुए थे। इसके बाद 2009 में उन्हें प्रबंधन बोर्ड में नियुक्त किया गया था। वह 2012 से 2015 तक बैंक के सह-सीईओ थे। इसके बाद 2017 में वित्तीय सेवा फर्म के अध्यक्ष भी रहे।

डीयू से किया स्नातक

अंशु प्रसिद्ध बैंकर होने के साथ-साथ दुनिया के कई हिस्सों में पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण समूहों के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र ऑनर्स में स्नातक की की डिग्री ली थी। इसके बाद मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय में फाइनेंस में एमबीए किया।

ब्रिटेन के रिसर्च संस्थान ने पहले रूसी रिसर्चर को ठुकराया, अब माफी मांगी

लंदन। ब्रिटेन के रिसर्च संस्थान ने रूस की एक युवा शोधकर्ता से माफी मांगी है। कुछ महीने पहले इसी संस्थान ने उस रिसर्चर को अपने यहां दाखिला देने का ऑफर वापस ले लिया था। ऑफर वापस लेते हुए संस्थान ने कहा था कि चूंकि वह रूसी है, इसलिए उसे इस संस्थान में दाखिला नहीं मिल सकता। अब संस्थान ने उस वैज्ञानिक से माफी मांगते हुए उन्हें फिर से अपने यहां ज्वाइन करने के लिए आमंत्रित किया है। ग्लासगो शहर में स्थित जीवन विज्ञान अनुसंधान संस्थान द बीटसन इंट्स्टीट्यूट ब्रिटेन से सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थानों में एक है। यह संस्थान में कैंसर संबंधी अपने अनुसंधान के लिए मशहूर है। जब ये खबर सामने आई कि इस संस्थान ने एक रिसर्चर को दिया गया ऑफर सिर्फ उसकी राष्ट्रीयता यानी उसके रूसी होने के आधार पर वापस ले लिया, तो उसकी बड़े पैमाने पर निंदा हुई। रूसी शोधकर्ता ने इस संस्थान के पीएचडी कोर्स में दाखिला लेने के लिए अर्जी दी थी, जिसे स्वीकार करने के बाद संस्थान ने ठुकरा दिया था।

चौतरफा आलोचना के बाद संस्थान के एक सदस्य ने रूसी वैज्ञानिक को संदेश भेजा है। इसमें उनसे माफी मांगी गई है। साथ उनसे संस्थान में आकर वहां अनुसंधान कार्य में शामिल होने का आग्रह किया गया है। इस संदेश की कॉपी को रूसी रिसर्चर के एक दोस्त ने ट्विटर पर पोस्ट किया है। इसके पहले जब ऑफर वापस लिया गया था, तब भेजे गए संदेश में संस्थान के एक पदाधिकारी ने लिखा था- 'मुझे बताया गया है कि हाल में बीटसन इंस्टीट्यूट ने एक नई नीति अपनाई है। उसके तहत मैं आपको नियुक्त करने में असमर्थ हूं, क्योंकि आप रूसी हैं। मुझे इसका अफसोस है और मैं मानता हूं कि यह अनुचित है। लेकिन रूस में जो हो रहा है, उससे आप जैसे युवा वैज्ञानिकों पर बहुत खराब असर पड़ेगा। मैं उम्मीद करता हूं कि भविष्य में मैं आपके लिए पीएचडी कोर्स में स्थान ढूंढ पाऊंगा।'

चीन ने स्वतंत्रता के 'कट्टर हिमायती' सात ताइवानी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया

बीजिंग। कई देशों के राजनयिकों द्वारा ताइवान की यात्रा करने के मद्देनजर चीन ने मंगलवार को, स्वतंत्रता समर्थक सात ताइवानी नेताओं और अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इन नेताओं में वाशिंगटन में ताइपे के प्रतिनिधि शामिल हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। इसके बाद सोमवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर एड मार्की के नेतृत्व में अमेरिकी संसद के एक प्रतिनिधिमंडल ने ताइवान का दौरा किया था। ताइवान एक स्वशासित द्वीप समूह है और चीन इसे अपना भाग मानता है। गत सप्ताह, यूरोपीय संघ के सदस्य लिथुआनिया की उप परिवहन मंत्री एग्ने वैसीयूकेविशिएट ने भी ताइवान का दौरा किया था।

पाकिस्तान में यात्री बस और तेल टैंकर के बीच टक्कर से 20 लोगों की जलकर मौत

पेशावरः पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक यात्री बस और एक तेल टैंकर के बीच टक्कर होने से कम से कम 20 लोगों की जलकर मौत हो गई। बचाव कर्मियों ने यह जानकारी दी। प्रांत में तीन दिन के भीतर यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। पुलिस ने बताया कि यह हादसा लाहौर से करीब 350 किलोमीटर दूर मुल्तान में एक 'मोटरवे' पर हुआ। आपात सेवा 'रेस्क्यू 1122' के प्रवक्ता ने कहा, '' लाहौर से कराची जा रही बस और तेल टैंकर की टक्कर में 20 लोगों की जलकर मौत हो गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई थी, जिससे यात्री आग की चपेट में आ गए।'

उन्होंने बताया कि आग में झुलस गए छह यात्रियों को मुल्तान के निश्तार अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने कहा, '' हादसे में जान गंवाने वाले कुछ लोगों के शव पूरी तरह झुलस गए थे और उनकी पहचान भी नहीं हो पा रही है। डीएनए जांच के लिए उनके शव परिवार को सौंपे जाएंगे।' उन्होंने बताया कि हादसे के बाद दोनों वाहन आग की चपेट में आ गए, जिससे बचाव एवं दमकल दलों को बचाव अभियान को अंजाम देने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पंजाब के मुख्यमंत्री परवेज इलाही ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रशासन से हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों की, मृतकों की पहचान करने में मदद करने को भी कहा है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को एक ट्रक और बस के बीच टक्कर होने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई थी।

नवाज शरीफ की वापसी से जुड़ेगा पाकिस्तान की सियासत में नया पहलू

इस्लामाबाद। सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) में शामिल सबसे बड़े दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) का दावा है कि उसके नेता पूर्व प्रधानमंत्री मियां नवाज शरीफ अगले महीने पाकिस्तान लौट आएंगे। नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के आरोप में पाकिस्तान में सजा सुनाई जा चुकी है। 2019 में उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जेल से छोड़ा गया था। उसके बाद वे इलाज के लिए लंदन चले गए। तब से वे वहीं रह रहे हैं। लेकिन समझा जाता है कि लंदन से ही नवाज शरीफ पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन को संचालित कर रहे हैं।

पीएमएल-एन के नेताओं ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर नवाज शरीफ की वापसी के बारे में एलान किया। संघीय मंत्री जावेद लतीफ और पीएमएल-एन की प्रवक्ता अज़्मा बुखारी ने बताया कि डॉक्टरों ने नवाज शरीफ को यात्रा के लिए हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कहा- देश के लोग चाहते हैं कि नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटें। वे अगले महीने यहां आएंगे।

इस समय नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं। नवाज शरीफ की बेटी मरियम औरंगजेब शहबाज शरीफ की सरकार में मंत्री हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार ने अल-अजीजिया स्टील मिल मामले में नवाज शरीफ के खिलाफ मुकदमा चलाया था। पाकिस्तान के एकाउंटिबिलिटी (जवाबदेही) कोर्ट ने 2018 में शरीफ को दोषी करार दिया। अदालत ने उन्हें 11 साल की कैद सुनाई। उधर अवेनफील्ड प्रोपर्टी मामले में उन पर 1.3 अरब (पाकिस्तानी) रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

इमरान खान शरीफ परिवार पर लगातार निशाना साधते रहे हैं। वे इस परिवार को पाकिस्तान के धन का लुटेरा बताते हैं। शनिवार को इमरान खान ने लाहौर में एक बड़ी रैली आयोजित की। उसे संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि शहबाज शरीफ सरकार उन्हें चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराने की कोशिश में है, ताकि नवाज शरीफ को वापस पाकिस्तान लाने का रास्ता खुल सके। उन्होंने कहा- 'इन लोगों ने मेरे खिलाफ नए मुकदमे दर्ज कराने की योजना बनाई है, ताकि मुझे चुनाव लड़ने से रोका जा सके। इसी साजिश के तहत नवाज शरीफ को सितंबर के आखिर तक देश में वापस लाया जाएगा। इसके साथ ही मेरा चरित्र हनन करने की मुहिम छेड़ी जाएगी।'

इमरान खान के ये बयान देने के दो रोज बाद ही सत्ताधारी पीएमएल-एन ने नवाज शरीफ की वापसी का एलान कर दिया। इमरान खान की आशंका के मुताबिक ही नवाज शरीफ के सितंबर में पाकिस्तान लौटने का कार्यक्रम बताया गया है। समझा जाता है कि नवाज शरीफ के लौटने से पाकिस्तान की सियासत में नए पहलू जुड़ेंगे। इससे पीएमएल-एन की ताकत बढ़ेगी, लेकिन इससे इमरान खान को सत्ता पक्ष पर हमला बोलने का नया मौका मिलेगा।

इस सिलसिले में पाकिस्तान के पूर्व चीफ जस्टिस साकिब निसार का एक बयान भी यहां मीडिया में काफी चर्चित है। निसार ने कहा था कि देश में सिर्फ इमरान खान ही 'मुजरिम' नहीं हैं। उनका इशारा इमरान खान के खिलाफ सत्ता पक्ष की तरफ से छेड़े गए अभियान और नवाज शरीफ को वापस लाने की उसकी योजना की तरफ था। पीएमएल-एन की प्रेस कांफ्रेंस में इस बारे में पत्रकारों ने सवाल पूछा। उस पर जावेद लतीफ ने आरोप लगाया कि साकिब निसार की इमरान खान के साथ मिलीभगत है।

पाकिस्तान के करतारपुर साहिब गुरुद्वारे में सिख रहत मर्यादा का 'उल्लंघन'

इस्लामाबादः पाकिस्तान के एक ऐतिहासिक गुरुद्वारे में रविवार को सिख रहत मर्यादा का उल्लंघन का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा गया है, जिसे कथित तौर पर गुरुद्वारा करतारपुर साहिब के परिसर का शूट किया गया है। इसमें पगड़ी पहने युवाओं का एक समूह और कुछ महिलाओं को पाकिस्तानी झंडे पकड़े हुए और उसके पक्ष में नारे लगाते हुए दिखाया गया है। इस दौरान एक सिख युवक ने अपने संबोधन में पाकिस्तान के पक्ष में पूरे देश के सिख समुदाय के प्रति निष्ठा व्यक्त की। इस मामले पर संपर्क करने पर एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि अगर वीडियो गुरुद्वारे के परिसर में शूट किया गया है तो यह सिख आचार संहिता का उल्लंघन है।उन्होंने कहा, 'हम इस आचरण की निंदा करते हैं और पाकिस्तान में सिख निकाय को अपनी नाराजगी व्यक्त करेंगे,' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सिख निकाय को यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा जाएगा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पेंटागन में अब भारतीय रक्षा अधिकारियों की बेरोकटोक आवाजाही, अमेरिकी रक्षा विभाग का बड़ा फैसला

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच सैन्य संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। यही कारण है कि अब अमेरिकी रक्षा मुख्यालय यानी पेंटागन में भारतीय रक्षा अधिकारियों को निर्बाध या बगैर सुरक्षा के आवाजाही की सुविधा प्रदान की गई है। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि भारतीय रक्षा विभाग की अब पेंटागन तक पहुंच आसान हो जाएगी। अमेरिकी वायु सेना के सचिव फ्रैंक केंडल ने सोमवार को भारतीय स्वतंत्रता दिवस पर इंडिया हाउस में अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह एलान किया। केंडल ने कहा कि इस तरह का कदम विश्वास और सहयोग के साथ जुड़ा हुआ है। भारत के साथ हमारे संबंध विश्वास व सहयोग के हैं। केंडल ने कहा कि आज से भारतीय रक्षा टीम की पेंटागन में बगैर सुरक्षा के आवाजाही हो सकेगी। यह कदम भारत के साथ हमारे नजदीकी संबंधों के चलते और चूंकि भारत हमारा बड़ा रक्षा साझेदार है, इसलिए उठाया गया है।

बगैर एस्कॉर्ट के मैं भी पेंटागन में नहीं जा सकता : केंडल

केंडल ने कहा, 'यदि आपको लगता है कि पेंटागन में बिना सुरक्षा जांच के जाना कोई बड़ी बात नहीं है, तो बता दूं कि मैं भी बिना एस्कॉर्ट के वहां नहीं जा सकता हूं। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में जाना सबसे कठिन है, क्योंकि वह दुनिया के उच्च सुरक्षा वाले स्थानों में से एक है। यहां तक कि अमेरिकी नागरिकों को भी उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी के बिना इमारत तक पहुंच नहीं है। केंडल ने पूर्ववर्ती ओबामा प्रशासन के दौरान भारत के मुद्दों पर काम किया था। उन्होंने कहा कि उस वक्त भी तब राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की उनकी इच्छा थी।

अमेरिकी रक्षा अधिकारी केंडल ने यह भी कहा कि भारत के साथ हम किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हैं। हमारे लंबे समय से घनिष्ठ संबंध हैं। हम इसे लगातार मजबूत बनाने के प्रयास कर रहे हैं। हम क्षेत्र और दुनिया में एकीकृत सैन्य प्रतिरोध तैयार करने में जुटे हैं।

केंडल ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा व्यापार व प्रौद्योगिकी की पहल वर्षों से चल रही है और आज भी जारी है। हाल ही में यानी एक साल पहले हमने ड्रोन बनाने में सहयोग का कार्यक्रम शुरू किया है। हम प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में जुटे हैं और लंबे समय से कई कार्यक्रम चला रहे हैं। यह सिलसिला जारी रहेगा।

अमेरिकाः लगातार महसूस हो रहे हैं ट्रंप पर पड़े छापे से आए भूकंप के सियासी झटके

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लेगो स्थित आवास पर छापा मारे जाने की घटना ने अमेरिकी राजनीति में चर्चा के बिंदुओं को बदल दिया है। अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन ने अपनी एक विश्लेषण में कहा है कि इस घटना से आए कानूनी और सियासी भूकंप के बाद के झटके लगातार महसूस किए जा रहे हैं। इससे ऐसे प्रमुख सवाल उठे हैं, जो देश के राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे।

छापे के बाद ट्रंप ने सिस्टम और इलीट (अभिजात्य वर्ग) के खिलाफ बगावत के अपने पुराने नैरैटिव में नई जान फूंक दी है। उन्होंने अमेरिका के सत्ता तंत्र और उससे जुड़ी एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) जैसी एजेंसियों पर हमला तेज कर दिया है। पर्यवेक्षकों की राय है कि हालांकि अभी ट्रंप के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किसी मुकाम पर नहीं पहुंची है, लेकिन सियासी तौर पर ट्रंप इस घटना का इस्तेमाल 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी उम्मीदवारी के समर्थन जुटाने में कर रहे हैं।

दो ताजा घटनाओं ने इस प्रकरण में नए पेच जोड़ दिए हैं। एक नई रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप के वकील ने पिछले जून में न्याय मंत्रालय को बताया था कि ट्रंप के पास गोपनीय सूचना से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं है। जबकि एफबीआई के सूत्रों का

दावा है कि पिछले हफ्ते मारे गए छापे के दौरान इस एजेंसी को गोपनीय दस्तावेज हासिल हुए। दोनों पक्षों के दावे में ये अंतर सामने आने से अब माना जा रहा है कि एफबीआई अब अपनी जांच का दायरा और बढ़ा देगी। इसके अलावा अब ट्रप पर न्याय मंत्रालय को गुमराह करने का अभियोग भी लगाया जा सकता है। इस बीच एक दूसरी घटना में रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता ट्रंप के बचाव में सामने आ गए हैं। उन्होंने रविवार रात ये दावा किया कि राष्ट्रपति को किसी भी सूचना को गोपनीय श्रेणी से हटाने का अधिकार है। इसलिए ट्रंप के पास से बरामद जिन दस्तावेजों को संवेदनशील या गोपनीय बताया है, उन्हें पूर्व राष्ट्रपति ने पहले ही वर्गीकृत (क्लासीफाइड) श्रेणी से हटा दिया था। जिन नेताओं ने ये दावा किया, उनमें रिपब्लिकन पार्टी के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के सदस्य माइक टर्नर शामिल हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक रिपब्लिकन पार्टी की रणनीति अब यह दिखाने की है कि बिना पर्याप्त कारण के एफबीआई ने पूर्व राष्ट्रपति के निवास पर छापा मारने जैसा असाधारण कदम उठा लिया।

विश्लेषकों के मुताबिक छापे के पीछे कानूनी दलीलें चाहे जो हों, इस घटना का राजनीतिक असर दूर तक महसूस किया जा रहा है। लंबी जद्दोजहद के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन मुद्रास्फीति नियंत्रण कानून पारित कराने में सफल रहे। लेकिन बीते हफ्ते जब उन्होंने इस कानून पर दस्तखत किए, तो मीडिया का ध्यान ट्रंप पर पड़े छापों पर टिका हुआ था। नतीजतन, उन्होंने इस कानून के प्रचार से जो सियासी फायदा उठाने की उम्मीद की होगी, उसमें सफलता नहीं मिली।

दूसरी तरफ कंजरवेटिव खेमों में इस घटना की जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सीएनएन के टीकाकार स्टीफन कॉलिनसन ने लिखा है- 'सरकारी संस्थाओं को कलंकित करने की ट्रंप की खास क्षमता बीते हफ्ते फिर सामने आई। खुद को अन्याय का शिकार बताना उनकी राजनीति का खास हिस्सा रहा है।

इसी की बदौलत उन्होंने इतनी लोकप्रियता हासिल की, जिससे वे रिपब्लिकन पार्टी पर वर्चस्व बना सके। अब न्याय मंत्रालय से टकराव में वे इसी हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं।' तमाम संकेत हैं कि उनका ये दांव कामयाब हो रहा है।

कनाडा की अदालत ने दो खालिस्तानी आतंकवादियों को नो फ्लाई लिस्ट से हटाने की याचिका खारिज की

टोरंटो। कनाडा की एक अदालत ने दो खालिस्तानी आतंकवादियों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने हवाई यात्रा की अनुमति नहीं देने वाली सूची से नाम हटाने की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने देश की नो-फ्लाई लिस्ट में उनके नाम रखने की संवैधानिकता को बरकरार रखा है। यह सूची संदिग्ध आतंकवादियों को हवाई जहाज में चढ़ने से रोकने के लिए तैयार की गई है, ताकि किसी भी आपात और अप्रिय घटना से बचा जा सके। कनाडा के नेशनल पोस्ट ने बताया कि जिस तरह से सरकार ने तमाम समस्याओं के बावजूद उन दोनों के मामलों में कार्रवाई की, उस हिसाब से उनके नाम इस सूची में रखने को कोर्ट ने उचित समझा। ब्रैम्पटन, ओंटारियो के भगत सिंह बराड़ और वैंकूवर के परवकर सिंह दुलाई को साल 2018 में नो-फ्लाई लिस्ट में रखा गया था। दोनों ने अपनी इस पहली अपील से इस सूची में नाम जोड़े जाने को लेकर सुरक्षित हवाई यात्रा अधिनियम को चुनौती दी थी। यह कानून जिसके तहत यह सूची साल 2015 से प्रभावी है। जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2018 में बराड़ को गुप्त रूप से सूची में रखा गया था। कनाडा के अधिकारियों ने यह निर्णय उसके वैंकूवर से टोरंटो लौटने के लिए विमान में चढ़ने की कोशिश करने से एक दिन पहले लिया गया था।

सलमान रुश्दी पर हमले के नतीजों से मुश्किल है ईरान का बच पाना, मामले से दूरी बनाने की कोशिश की

ईरान। ईरान के कट्टरपंथी तबकों ने मशहूर लेखक सलमान रुश्दी पर अमेरिका में हुए हमले का स्वागत किया है, लेकिन ईरान सरकार ने इस मामले से खुद को अलग करने की कोशिश की है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि भारतीय मूल के ब्रिटिश लेखक रुश्दी पर किसने हमला किया, इस बारे में ईरान सरकार को कोई जानकारी नहीं है। प्रवक्ता नासीर कनानी ने कहा- 'अमेरिकी मीडिया में जो बातें छपी हैं, उनके अलावा हमें इस घटना के बारे में कोई जानकारी नही है। दूसरे लोगों की तरह हम भी इस खबर पर नजर रखे हुए हैं।'

कनानी ने रुश्दी के समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया

इस हमले के लिए कनानी ने रुश्दी और उनके समर्थकों को ही जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा- रुश्दी ने मुसलमानों की आस्था का असम्मान करते हुए खुद अपने लिए दुश्मन पैदा किए। उनके खिलाफ जो गुस्सा पैदा हुआ, वह सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं था। आरोप है कि रुश्दी के उपन्यास सैटैनिक वर्सेज में इस्लाम का अपमान करने वाली बातें कही गई हैं। 1989 में जब ये उपन्यास प्रकाशित हुआ, तब ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह रुहेल्लाह खुमैनी ने रुश्दी की हत्या का फतवा जारी किया था।

ईरान मामले से खुद को अलग करने की कोशिश कर रहा- अयातुल्लाह खुमैन की मृत्यु के बाद से ही ईरान सरकार इस मामले से खुद को अलग करने की कोशिश में रही है। अब तक मिली खबरों के मुताबिक पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान रुश्दी पर हमला करने वाले 24 वर्षीय हादी मातार का ईरान से कोई रिश्ता नहीं है। उसके माता-पिता लेबनान से अमेरिका आए थे, लेकिन ईरान के पर्यवेक्षकों ने इस बात पर हैरत जताई है कि ये हमला उस समय हुआ, जब ईरान परमाणु डील पर बातचीत को फिर से शुरू करने की कोशिश की जा रही है। समझा जाता है कि ये वार्ता अब अपने आखिरी दौर में है।

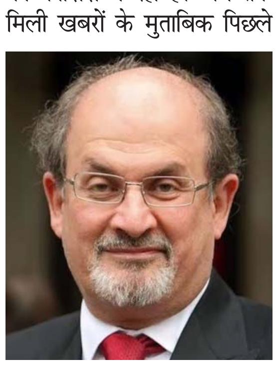

वियना में चल रही वार्ता ठहर सकती है

परमाणु डील के समर्थकों को आशंका है कि इस हमले के बाद अब वियना में चल रही वार्ता फिर से ठहर सकती है, जबकि देश में एक तबका ऐसा है, जिसने इस हमले पर खुशी जताई है। काहयान नाम के एक अखबार के एक प्रधान संपादक ने एक टिप्पणी में लिखा- 'जिस व्यक्ति ने अल्लाह के दुश्मन के गले को जख्मी किया, उसके हाथों को अवश्य चूमा जाना चाहिए।' इस अखबार के प्रधान संपादक की नियुक्ति ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता करते हैं। उधर खोरासान नाम के एक खबर ने अपनी खबर की हेडलाइन दीः 'शैतान को नरक के रास्ते पर भेजा'। पश्चिमी देशों में ईरान के रुख को लेकर आलोचना का भाव है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने एक बयान में कहा- 'ईरान की सरकारी संस्थाओं ने पीढ़ियों से रुश्दी के खिलाफ हिंसा भड़काने में भूमिका निभाई। सरकार से जुड़े मीडिया ने हमले पर खुशी का इजहार किया। यह निंदनीय है।' ऐसे बयानों से ईरान के उन लोगों को चिंता हुई है, जो हमले को अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ मानते हैं। खास कर नौजवान पीढ़ी को रुश्दी या उनसे जुड़े विवाद की ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन अब ऐसे संकेत हैं कि चाहे-अनचाहे रुश्दी पर हुए हमले से ईरान का नाम जुड़ गया है। इसकी देश को महंगी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

नीतिश और तेजस्वी मंत्रिमंडल में यादवों और मुसलमानों की बहुलता, दलित और सवर्ण को मौका

पटना। (एजेंसी)

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कैबिनेट का विस्तार किया है। एनडीए छोड़ने के बाद नीतीश ने तेजस्वी यादव के साथ मिलकर नई सरकार बना ली थी। मंगलवार को नीतीश कुमार ने अपने कैबिनेट का विस्तार किया जिसमें 31 नए मंत्रियों ने शपथ ली है। नीतीश के साथ तेजस्वी ने पहले ही मंत्री पद की शपथ ले ली थी। नीतीश के कैबिनेट में बिहार के सभी जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। हालांकि, राजद की ओर से अपने मुस्लिम-यादव वोट को बनाए रखने की कोशिश की गई है। वर्तमान में 33 मंत्रियों में से आठ मंत्री यादव समुदाय से आते हैं। जदयू कोटे से एक यादव मंत्री हैं, वहीं राजद से 7 यादवों को मंत्री बनाया गया है। जदयू से बीजेंद्र प्रसाद यादव मंत्री बने हैं। यह काफी वरिष्ठ नेता है और नीतीश कुमार के बेहद करीबी माने जाते हैं। बिहार में ऊर्जा विभाग काफी समय से इन्हीं के पास है। दूसरी ओर आरजेडी कोटे से यादव मंत्रियों की सूची देखें तो उसमें उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के अलावा तेज प्रताप यादव, सुरेंद्र यादव, डॉ रामानंद यादव, चंद्रशेखर यादव, ललित यादव और जितेंद्र कुमार राय का नाम है।

वहीं नीतीश कैबिनेट में मुसलमानों का भी प्रतिनिधित्व बढ़ा हैं, कुल 5 मंत्री बने हैं। जदयू के कोटे से जमा खान को मंत्री बनाया गया है। यह पहले भी मंत्री रहे। वहीं, राजद की ओर से तीन मुस्लिम मंत्री बने हैं जिसमें इस्माइल मंसूरी, शमीम अहमद और शाहनवाज आलम शामिल हैं। कांग्रेस की ओर से भी एक मुस्लिम मंत्री बनाया गया है। कांग्रेस के आफाक आलम इकलौते मुस्लिम मंत्री हैं। इसके साथ ही नीतीश कैबिनेट में छह मंत्री हैं, जो दलित समुदाय से आते हैं। जदयू कोटे से अशोक चौधरी और सुनील कुमार दलित चेहरे हैं। वहीं, राजद ने कुमार सर्वजीत और सुरेंद्र कुमार को कैबिनेट में जगह दी है। इसके अलावा कांग्रेस ने मुरारीलाल गौतम को मंत्रिमंडल में शामिल करवाया है। जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन को भी इस बार मंत्री बनाया गया है।

कितनी है सवर्ण समुदाय की हिस्सेदारी

नीतीश कैबिनेट में सवर्ण समुदाय से आने वाले छह नेता शामिल दिखाई दे रहे हैं। जदयू कोटे से विजय चौधरी भूमिहार समुदाय से आते हैं। वहीं लेसी सिंह राजपूत हैं तथा संजय कुमार झा ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। आरजेडी के सुधाकर सिंह जो राजपूत है और कार्तिक सिंह जो भूमिहार है, को मंत्री बनाया गया है। इसके अलावा निर्दलीय विधायक सुमित सिंह को भी मंत्री बनाया गया है।

पीएम मोदी बताएं स्त्रीशक्ति पर उनकी बात सही है या गुजरात सरकार का फैसला : कांग्रेस

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि क्या लाल किले की प्राचीर से नारीशक्ति के विषय में की गई उनकी बात सही है या फिर बिलकिस बानो मामले के दोषियों को रिहा करने का गुजरात की भाजपा सरकार का फैसला सही है? पार्टी के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री मोदी को एक बार फिर से 'राजधर्म' की याद दिलाती है। उन्होंने कहा बिलकिस बानो मामले के 11 दोषियों को जेल से रिहा कर दिया गया। यह कोई इकलौता मामला नहीं है। ऐसे कई मामले हैं जिनसे भाजपा की मानसिकता दिखाई देती है। इससे पहले कठुआ और उन्नाव के मामले में ऐसा हुआ जो भारत की राजनीति के लिए शर्मिंदगी के विषय थे। पहली बार ऐसा हुआ कि एक राजनीतिक दल के लोगों ने बलात्कारियों के समर्थन में रैली निकाली और नारे लगाए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को नारीशक्ति के बारे में अच्छी-अच्छी बातें कीं। इसके कुछ घंटों बाद गुजरात सरकार ने ऐसा निर्णय लिया जो अप्रत्याशित था और जो कभी नहीं हुआ। बलात्कार के अभियुक्तों को रिहा कर दिया गया। पवन खेड़ा ने सवाल किया क्या बलात्कार उस श्रेणी का अपराध नहीं है, जिसमें कड़ी से कड़ी सजा मिले? आज फिर यह देखा गया कि इन लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। क्या यह है अमृत महोत्सव? उन्होंने यह भी पूछा असली नरेंद्र मोदी कौन हैं, जो लाल किले की प्राचीर से झूठ परोसते हैं या फिर वह जो अपनी गुजरात सरकार से बलात्कार के अभियुक्तों को रिहा करवाते हैं? यह कांग्रेस पार्टी और देश जानना चाहता है। खेड़ा ने कहा प्रधानमंत्री बताएं कि जो उन्होंने लाल किले की प्राचीर से कहा, वह सही है ? या फिर गुजरात सरकार ने जो किया, वह सही है? या तो प्रधानमंत्री अपनी बात वापस लें या फिर गुजरात सरकार अपना निर्णय वापस ले। उन्होंने कहा आज अटल जी की पुण्यतिथि भी है। आज मोदी जी को हम फिर से राजधर्म का स्मरण दिला रहे हैं। बिलकिस बानो मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे 11 दोषियों को सोमवार को गोधरा उप-कारागार से रिहा कर दिया गया था। गुजरात सरकार ने अपनी माफी नीति के तहत इन लोगों की रिहाई की मंजूरी दी थी। मुंबई में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने 11 दोषियों को बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने के जुर्म में 21 जनवरी 2008 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बाद में बंबई उच्च न्यायालय ने उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा था।

कश्मीरी पंडित भाइयों पर हमला करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे : सिन्हा

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों ने मंगलवार को दो कश्मीरी पंडित भाइयों पर हमला कर दिया। हमें में सुनील कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पिंटू कुमार घायल हो गए। उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना में मौत का शिकार होने वाले और घायल के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों के हत्यारों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सिन्हा ने ट्वीट किया शोपियां जिले में नागरिकों पर किए गए घिनौने हमले की खबर से बेहद दुखी हूं। सुनील कुमार के परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं है। घायल के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस हमले की सभी को कड़ी निंदा करनी चाहिए। इस बर्बर हमले में शामिल आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा दक्षिण कश्मीर से आज बेहद दुखद खबरें हैं। एक हादसे और एक आतंकवादी हमले में कई लोग हताहत हुए हैं। मैं शोपियां जिले में आतंकवादी हमले की निंदा करता हूं, जिसमें सुनील कुमार की मौत हो गई और पिंटू कुमार घायल हो गए। परिवार के साथ मेरी संवेदनाए हैं। साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने भी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि शोपियां में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें सुनील कुमार की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। हत्यारों को सजा मिलनी चाहिए। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने हमले की निंदा करते हुए इसे ''हिंसा का जघन्य कृत्य'' करार दिया और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। फ़ोन पर हैलो की जगह 'वंदे मातरम' बोलने की घोषणा को

'नो फ्लाई लिस्ट' से दो खालिस्तानी आतंकियों को बाहर करने की अर्जी कनाडा कोर्ट ने खारिज की

चंडीगढ़। (एजेंसी)

कनाडा की कोर्ट ने दो खालिस्तानी आतंकवादियों की उस अर्जी को सुनवाई से इंकार करते हुए खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने अपना नाम %नो फ्लाई लिस्ट% से हटाने की अपील की थी। अदालत ने दोनों खालिस्तानी आतंकवादियों को देश की नो-फ्लाई लिस्ट में रखने की संवैधानिकता को बरकरार रखा है। कनाडा सरकार ने %नो फ्लाई लिस्ट% को संदिग्ध आतंकवादियों को हवाई जहाज में चढ़ने से रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कनाडा की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्राम्पटन ओंटारियो के भगत सिंह बराड़ और वेंकूवर, बीसी के परवकर सिंह दुलाई को 2018 में नो-फ्लाई लिस्ट में रखा गया था। दोनों ने सिक्योर एयर ट्रैवल एक्ट के तहत नो-फ्लाई लिस्ट को चुनौती दी थी, जिसके तहत 2015 से यह सूची चल रही है। अप्रैल 2018 में बराड़ को गुप्त रूप से सूची में रखा गया था। कनाडा के अधिकारियों ने यह निर्णय वैंकूवर से टोरंटो लौटने के लिए एक विमान में चढ़ने की कोशिश करने से एक दिन पहले लिया था। इसके बाद बराड़ ने पदनाम के बारे में शिकायत की और यहां तक कि अप्रैल 2019 में फेडरल कोर्ट में अपील की थी। इसी तरह बराड़ के बिजनेस पार्टनर दुलाई को मार्च 2018 में सूची में रखा गया था। कनाड़ा के नेशनल पोस्ट अखबार के मुताबिक बराड कथित तौर पर लखबीर बराड़ का बेटा है, जो नामित आतंकवादी समूह इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन का नेता है। दूसरा खालिस्तान के कट्टर समर्थक दुलाई के बारे में कहा जाता है कि उसने 1985 के एयर इंडिया बम विस्फोट में शामिल एक व्यक्ति के लिए श्रद्धांजलि परेड आयोजित की थी। इस विमान विस्फोट में 329 लोग मारे गए थे।

बराड़ और दुलाई दोनों को अदालती दस्तावेजों में आतंकवादी-संबंधित गतिविधियों के सूत्रधार होने का संदेह है और कनाडा की जासूसी एजेंसी ने उनके खिलाफ आरोप तय किए हैं। कनाडाई दैनिक के अनुसार दोनों पुरुषों ने सूची की संवैधानिकता को चुनौती दी थी और सवाल किया था कि इसे कैसे लागू किया गया। हालांकि सरकार ने तर्क दिया कि कानून सही है और दोनों को सूची में रखना चाहिए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने लोगों से सर्वेक्षण में हिस्सा लेने की अपील की

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मोदी सरकार में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने लोगों से स्कूली शिक्षा के नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे (एनसीएफ) के विकास के लिये एनसीईआरटी द्वारा कराए जा रहे सर्वेक्षण में हिस्सा लेने की अपील की। एनसीएफ देश में पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों एवं पठन पाठन का डिजाइन तैयार करने के लिये मार्गदर्शन का कार्य करेगा। एनसीईआरटी द्वारा किए जा रहे डिजिटल सर्वेक्षण में 10 सवाल पूछे जा रहे हैं जिसमें पांच विकल्प दिए हैं। शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि एक विविधतापूर्ण, समावेशी और भविष्योन्मुखी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे का विकास वैश्विक दृष्टि के साथ सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने, शिक्षा को औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्त बनाने तथा हमारी भावी पीढ़ियों में गौरव का भाव जगाने के लियेजरूरी है। उन्होंने कहा, मैं नए भारत के नए पाठ्यक्रम के विकास के लिए एनसीएफ पर नागरिक सर्वेक्षण में हिस्सा लेने के लिये सभी नागरिकों से अपील करता हूं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तर्ज पर एक विविधतापूर्ण राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसमें पूछा गया है कि जिम्मेदार माता पिता या बच्चों के अभिभावक के रूप में आप बच्चों के समग्र विकास में शिक्षकों की भूमिका की कल्पना कैसे करते हैं ? अपनी शिक्षा को भविष्योन्मुखी और कौशल उन्मुख बनाने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? सर्वेक्षण में पूछा गया है कि हमारा समाज स्कूली शिक्षा से क्या उम्मीद करता है ? कक्षा 6-8 के बच्चों को किन किन विषयों का अध्ययन करना चाहिए ? कक्षा 3-5 में बच्चों को कौन कौन से विषय पढ़ाये जाने चाहिए ? हमारे देश में शिक्षकों का गौरव बढ़ाने के लिये सुझाव दें ? एनसीईआरटी द्वारा कराये जा रहे डिजिटल सर्वेक्षण में पूछा गया है कि आपके अनुसार कक्षा 1 से बच्चों को स्कूल में कौन सी भाषा सीखनी चाहिए ।

गुजरात दौरे पर केजरीवाल का बड़ा ऐलान, हर बच्चे को मुफ्त और अच्छी शिक्षा की गारंटी दी जाएगी

भुज ।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार गुजरात के दौरे पर जा रहे हैं। केजरीवाल लगातार नए-नए वादे और दावे भी कर रहे हैं। इस बीच गुजरात में मंगलवार को फिर से केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर दिया। केजरीवाल ने गुजरात की जनता को फ्री में शिक्षा गारंटी दी है। केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा है कि गुजरात में पैदा होने वाले हर बच्चे को मुफ्त और अच्छी शिक्षा की गारंटी हम देते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है, तब हम सरकारी स्कूलों को शानदार बनाएंगे और बड़े स्तर पर नए सरकारी स्कूल भी खोलने वाले हैं। उन्होंने कह दिया कि प्राइवेट स्कूलों को ऑडिट कराया जाएगा जो स्कूल ज्यादा फीस लेगा, उससे वापस कराया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि स्कूलों को नाजायज फीस बढ़ाने की भी इजाजत नहीं होगी। केजरीवाल ने कहा कि शिक्षकों को पहले पक्का करने के बाद नई वैकेंसी भी निकालने वाले हैं। पढ़ाने के अलावा शिक्षकों को किसी और ड्यूटी पर नहीं लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि यूनिफॉर्म, डेवलपमेंट और लाइब्रेरी फीस के नाम पर हर साल प्राइवेट स्कूल वाले अपनी फीस बढ़ा देते हैं और सरकार कुछ नहीं करती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट स्कूल की गुंडागर्दी से सरकार को भी पैसा जाता है, आधे से अधिक स्कूल तब इन्हीं के हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 70 साल में शिक्षा का बेड़ा गर्क कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार आने पर प्राइवेट स्कूलों को फीस बढ़ाने के लिए इजाजत लेनी होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेस्तरां में आम ग्राहकों से सेवा शुल्क लाने पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने रेस्तरां में ग्राहकों से अतिरिक्त या 'अलग' शुल्क के रूप में सेवा शुल्क वसूलने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके स्थान पर खाद्य उत्पादों के दाम बढ़ाने का तरीका अपना सकते है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने टिप्पणी केंद्र की ओर से दायर अपील की सुनवाई के दौरान की। इसके पहले हाई कोर्ट की एकल पीठ ने होटलों एवं रेस्तरांओं को ग्राहकों से सेवा शुल्क लेने पर रोकने वाले केंद्र के निर्देश पर स्थगन दे दिया था। पीठ ने कहा कि एक आम आदमी रेस्तरां में वसूलने वाले सेवा शुल्क को सरकार की तरफ से लगाया गया कर ही समझता है। ऐसी स्थिति में अगर होटल एवं रेस्तरां ग्राहक से अधिक राशि वसूलना चाहते हैं, तब वे अपने यहां परोसे जाने वाले खाने-पीने के सामान के दाम बढ़ा सकते हैं। फिर उन्हें बिल में अलग से सेवा शुल्क लेने की जरूरत नहीं होगी। रेस्तरां संगठनों की ओर से कहा गया कि सेवा शुल्क कोई सरकारी कर नहीं है और यह रेस्तरां में काम करने वाले कर्मचारियों के लाभ के लिए वसूला जाता है। न्यायालय ने दलील से असहमति जताकर कहा कि अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाइए, हम आपकी बात सुनने वाले हैं...वैसे सेवा शुल्क लेने का ताल्लुक रेस्तरां कर्मचारियों से नहीं बल्कि उपभोक्ताओं से है। साथ ही मामले की सुनवाई 18 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सीएम ममता ने की पूर्व पीएम नेहरू की अनदेखी

कांग्रेस हुई लाल पूछा ऐसा क्यों किया

कोलकाता। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ट्विटर प्रोफाइल में लगी तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल ममता ने अपने ट्विटर प्रोफाइल पर आजादी के आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारियों का एक स्कैच लगाया है। इसमें महात्मा गांधी से लेकर लाल बहादुर शास्त्री और शहीद भगत सिंह की भी तस्वीर हैं, लेकिन पंडित जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर नहीं हैं। पंडित नेहरू की फोटो नहीं होने पर कांग्रेस ने ममता बनर्जी पर निशाना साधकर पूछा कि नेहरू की अनदेखी क्यों की गई। कांग्रेस भाजपा पर नेहरू की अनदेखी का आरोप लगाती आई है, लेकिन अब ममता भी उसी क्लब में शामिल हो गई हैं। कांग्रेस ने ट्वीट किया और टीएमसी से सवाल पूछा। ट्विटर यूजर अभिषेक बनर्जी के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कांग्रेस ने ममता सरकार पर हमला बोला है। अभिषेक बनर्जी ने अपने ट्वीट में बेटी की ओर से तैयार एक स्केच को शेयर किया था। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा था, %मेरी बेटी ने इतिहास की कुछ बेसिक चीजों को याद दिलाते हुए पहले स्वतंत्रता दिवस की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में बच्ची ने पहले स्वतंत्रता दिवस का स्केच बनाया है, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू भी नजर आते हैं। ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कांग्रेस ने टीएमसी और ममता बनर्जी को टैग किया है। कांग्रेस ने लिखा, %एक बच्ची की ओर से ममता बनर्जी और टीएमसी को इतिहास का सबक। ऐसा इसलिए क्योंकि इन लोगों ने जानबूझकर जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर ही हटा दी। बता दें कि कर्नाटक में नेहरू की तस्वीर हटाने को लेकर विवाद चल रहा है। कर्नाटक की बसवराज बोम्मई सरकार ने अखबारों में एक ऐड निकालकर देश की स्वतंत्रता में योगदान देने वाले क्रांतिकारियों को याद किया गया है। लेकिन पोस्टर से जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर गायब थी।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी खबरें फैलाने के आरोप में सात समाचार पोर्टलों के संचालन बंद किया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में रामबन के जिला प्रशासन ने कथित रूप से फर्जी खबरें फैलाने, सरकारी अधिकारियों को कथित रूप से परेशान करने और सरकार की छवि खराब करने के आरोप में सात समाचार पोर्टलों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक रामबन के उपायुक्त मस्सारतुल इस्लाम ने बताया कि यह पहले चरण की कार्रवाई है। अगले चरण में जो अन्य पोर्टल वास्तविक सर्टिफिकेट पेश करने में विफल रहते हैं,तब उन्हें भी प्रतिबंधित किया जाएगा। रामबन के उपायुक्त ने एसएसपी को जारी किये गए आदेशों को लागू करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि फर्जी खबरों को फैलाने और सरकार की छवि खराब करने वाले अवैध न्यूज पोर्टलों के संचालन को रोककर रामबन में शांति और कानून व्यवस्था बनाना सर्वोपरि है। साथ ही पत्र में कहा गया, आगे भी इस बात की पूरी आशंका है कि यदि इन फर्जी समाचार पोर्टलों का संचालन अनियंत्रित रहा, तब जिले का शांतिपूर्ण ताना-बाना भंग हो जाएगा। उपायुक्त के अनुसार, विभिन्न समाचार पोर्टलों से जुड़े रामबन के पत्रकारों को जिला सूचना अधिकारी के सामने अपना आईडी कार्ड पेश करने के लिए कहा गया था। विभिन्न समाचार पोर्टलों से जुड़े सात व्यक्ति (उनमें से एक अज्ञात) रजिस्ट्रेशन सहित अपने अन्य डॉक्यूमेंट्स जमा करने में विफल रहे। इसकारण सात 'फर्जी' समाचार पोर्टलों से जुड़े इन सभी लोगों को अपना संचालन जारी रखने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रतिबंधित पोर्टल की लिस्ट में लतीफ रेजा, संगलदान (यूनाइटेड उर्दू न्यूज), चरणजीत बाली उखेरल (वीडी न्यूज), मुबाशीर नजीर उखेरल (न्यूज वर्स इंडिया), जुल्फिकार भट, संगलधन (करंट न्यूज ऑफ इंडिया, सीएनआई'), सज्जाद रुनियाल, मालिगम शामिल हैं। पोगल (न्यूज ब्यूरो ऑफ इंडिया एनबीआई), राजगढ़ के परवेज भट (टुडे न्यूज लाइन) और जीएचआरटी न्यूज चलाने वाले एक अज्ञात व्यक्ति' के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

हापुड़ कचहरी गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग, कैदी की हत या; हरियाणा पुलिस का सिपाही घायल

हापुड़। (एजेंसी)

हापुड़ कचहरी परिसर के सामने दिन-दहाड़े बाइक सवार पांच हमलावरों ने पेशी पर न्यायालय जा रहे हिस्ट्रीशीटर की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। इस दौरान हरियाणा पुलिस में हेड कांस्टेबल भी पेट में गोली लगने से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।फरार होते वक्त हमलावर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हमलावरों की तलाश में थाना पुलिस के साथ एसओजी की टीम को लगाया गया है। वर्ष 2019 में गांव नंगला उदयरामपुर निवासी विजय सिंह ने अपनी पुत्री आरती और ज्योति की शादी हरियाणा के फरीदाबाद क्षेत्र के गांव अनंगपुर निवासी देवेंद्र के पुत्र सचिन और सागर के साथ तय हुई की थी। 24 नवंबर 2019 को दोनों पक्षों के लोग बड़ी धूमधाम से शादी समारोह की रस्मों को पूरा कर रहे थे। शाम के समय दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी में दुल्हनों की विदाई की रस्म अदा की जा रही थी।तभी बाइक पर सवार होकर आए तीन हथियारबंद बदमाशों ने दूल्हे के सगे चाचा सुधीर (40) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। फायरिंग के दौरान गांव प्रधान नंगला उदयरामपुर निवासी सुशील, विजयपाल, कार्तिक और रामवीर गोली लगने से घायल हो गए थे। हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए बदमाशों को जेल भेजा था। मुकदमे में अनंगपुर निवासी लाखन (36) का नाम भी प्रकाश में आया था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था। लाखन के खिलाफ हिस्ट्रीशीटर की कार्रवाई भी की गई थी। मंगलवार को हरियाणा पुलिस में उपनिरीक्षक विजय, हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, कांस्टेबल नरेंद्र, दीपक, संदीप और चालक राजू सरकारी गाड़ी से लाखन को पेशी पर हापुड़ ला रहे थे।लाखन की पेशी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय) में होनी थी। पुलिस टीम जैसे ही लाखन को लेकर कचहरी के गेट पर पहुंची। तभी घात लगाए बैठे पांच बदमाशों ने पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। 6 गोली लाखन को लगी। जबकि एक गोली हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश को लगी। मौके पर ही लाखन की मौत हो गई। जबकि हेड कांस्टेबल को पुलिस ने अस्पताल भिजवाया।

आईटीबीपी बस हादसा- जांच के बाद ही पता चलेगा की दुर्घटना किस कारण से हुई

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में बस के गहरी खाई में गिरने के बाद भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के छह जवान और एक पुलिसकर्मी शहीद हो गए। जबकि अन्य 32 घायल हो गए। इस संबंध में आईटीबीपी के डीजी डॉ सुजॉय लाल थाउसेन का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि जांच के बाद ही पता चलेगा की दुर्घटना किस कारण से हुई। थाउसेन ने बताया कि दुर्घटना में हमारे 7 जवानों की मौत हो गई। 8 जवान गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें एयर लिफ्ट करके श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती किया गया है। बाकी जवानों का अनंतनाग के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि जांच के बाद ही पता चलेगा की दुर्घटना किस कारण से हुई है। अनंतनाग के डीआईजी रनबीर सिंह ने बताया कि गंभीर रूप से घायल जवानों को श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में ले जाया गया और बाकी जवानों की हालत स्थिर है और उनका इलाज अनंतनाग अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आईटीबीपी के 37 जवानों और दो पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस चंदनवाड़ी और पहलगाम के बीच गहरी खाई में गिर गई। आईटीबीपी के दो कर्मियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। बता दें कि आईटीबीपी के 37 और जम्मू-कश्मीर पुलिस के तीन कर्मी अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी से लौट रहे थे, जो 11 अगस्त को समाप्त हो चुकी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमूल ने प्रति लीटर दूध की कीमतों में किया 2 रुपए का इजाफा,नई दरें आज से लागू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

महंगाई से जूझ रहे देशवासियों को अमूल ने महंगाई का एक और झटका दिया है। अमूल

दूध के दामों में 2-2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। 6 महीने के भीतर दूध की कीमतों में लगातार दूसरी बार वृद्धि की गई है। इससे पहले अमूल और अपने अपने दूध उत्पादों की कीमतों को 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया था। यानि 6 महीने के अंदर अमूल के उत्पाद 4 रुपये प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं। वहीं एक साल से कुछ ज्यादा वक्त यानि 13 महीने में कीमतें 6 रुपये प्रति लीटर बढ़ी हैं। पिछले साल पहली जुलाई से अब तक ३ बार में 2-2 रुपये दूध महंगा हो चुका है। अमूल ने बढ़ती लागत को कीमतों में बढ़ोतरी की वजह बताया है। अमूल के मुताबिक किसानों की बढ़ती लागत, ईंधन की कीमत और पैकेजिंग मैटिरियल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से दूध की कीमतें में वृद्धि की जा रही है। अमूल ने गुजरात समेत दिल्ली एनसीआर, मुंबई, पश्चिम बंगाल और राज्यों में भी दूध की कीमतों में वृद्धि की है। अमूल दूध की नई दरें 17 अगस्त से लागू होंगी। नई दरें लागू होने से 500 मिलीग्राम अमूल गोल्ड रु 31 में उपलब्ध होगा। इसी प्रकार ताजा प्रति 500 मिलीग्राम रु 25, अमूल शक्ति प्रति 500 मिलीग्राम रु 28 मिलेगा। अमूल के मुताबिक मूल्य वृद्धि ऑपरेशन खर्च और दूध उत्पादन खर्च में हुई वृद्धि के कारण किया गया है। पिछले साल की तुलना में पशुओं के आहार खर्च में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनपुट खर्च और पशुओं के आहार में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए अमूल फेडरेशन से संबद्ध दूध समितियों द्वारा किसानों के दूध संपादन की कीमत में भी पिछले साल की तुलना में 8 से 9 प्रतिशत की वृद्धि की है। अमूल अपनी नीतियों के तहत ग्राहकों से दूध और दूध के उत्पादों से मिले प्रत्येक रुपए में से 80 पैसे दूध उत्पादकों को भुगतान करता है। कीमतों में सुधार दूध उत्पादकों को दूध की लाभदायी कीमतें बरकरार रखने में सहायक होगा और दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सूरत मनपा के बांधकाम में अधिकारीयों और सेवक की क्या भूमिका

गुजरात दौरे पर केजरीवाल का बड़ा ऐलान, हर बच्चे को मुफ्त और अच्छी शिक्षा की गारंटी दी जाएगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भुज,आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार गुजरात के दौरे पर जा रहे हैं। केजरीवाल लगातार नए-नए वादे और दावे भी कर रहे हैं। इस बीच गुजरात में मंगलवार को फिर से केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर दिया। केजरीवाल ने गुजरात की जनता को फ्री में शिक्षा गारंटी दी है। केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा है कि गुजरात में पैदा होने वाले हर बच्चे को मुफ्त और अच्छी शिक्षा की गारंटी हम देते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है, तब हम सरकारी स्कूलों को शानदार बनाएंगे और बड़े स्तर पर नए सरकारी स्कूल भी खोलने वाले हैं। उन्होंने कह दिया कि प्राइवेट स्कूलों को ऑडिट कराया जाएगा जो स्कूल ज्यादा फीस लेगा, उससे वापस कराया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि स्कूलों को नाजायज फीस बढ़ाने की भी इजाजत नहीं होगी।

केजरीवाल ने कहा कि शिक्षकों को पहले पक्का करने के बाद नई वैकेंसी भी निकालने वाले हैं। पढ़ाने के अलावा शिक्षकों को किसी और ड्यूटी पर नहीं लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि यूनिफॉर्म, डेवलपमेंट और लाइब्रेरी फीस के नाम पर हर साल प्राइवेट स्कूल वाले अपनी फीस बढ़ा देते हैं और सरकार कुछ नहीं करती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट स्कूल की गुंडागर्दी से सरकार को भी पैसा जाता है, आधे से अधिक स्कूल तब इन्हीं के हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 70 साल में शिक्षा का बेड़ा गर्क कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार आने पर प्राइवेट स्कूलों को फीस बढ़ाने के लिए इजाजत लेनी होगी।

राज्य सरकार के कर्मचारियों व पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी बढ़ोतरी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में केंद्र सरकार की तर्ज पर तीन फीसदी की बढ़ोतरी करने का निर्णय किया है। महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी 01 जनवरी, 2022 से प्रभावी मानी जाएगी। यह भी निर्धारित किया गया है कि इस बढ़ोतरी का लाभ केवल उन्हीं कर्मचारियों को मिलेगा, जिन्हें सातवें वेतन आयोग का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार महंगाई भत्ते के इस इजाफे का लाभ राज्य सरकार के पंचायत सेवा के कर्मचारियों तथा राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों सहित लगभग 9.38 लाख लोगों को मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 1 जनवरी, 2022 के प्रभाव से देय बढ़े हुए महंगाई भत्ते की सात महीनों की एरियर राशि का भुगतान तीन किस्तों में करने का निर्णय किया है। इसके अनुसार, जनवरी से मार्च के एरियर की पहली किस्त का भुगतान अगस्त-2022 के वेतन के साथ, अप्रैल से जून के एरियर की दूसरी किस्त सितंबर-2022 के वेतन के साथ और तीसरी किस्त का भुगतान अक्टूबर-2022 के वेतन के साथ किया जाएगा। महंगाई भत्ते में इस इजाफे के परिणामस्वरूप राज्य सरकार पर वार्षिक लगभग 1400 करोड़ रुपए का वित्तीय बोझ बढ़ेगा।

76वें स्वतंत्रता पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने की अहम घोषणाएं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अरवल्ली जिले में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

राज्य की सभी 250 तहसीलों के 71 लाख राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) कार्ड धारकों को रियायती दरों पर प्रति राशन कार्ड, प्रतिमाह 1 किलो चना दाल दी जाएगी। अभी केवल 50 विकासशील तहसीलों को यह लाभ मिलता है, इस निर्णय से योजना का विस्तार होगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत शामिल करने के मौजूदा पात्रता मानदंड के तहत आय सीमा को 10,000 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 15,000 रुपए किया जाएगा। राज्य में हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए द्वारका, अंबाजी और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे आइकॉनिक रूट पर जीरो एयर पॉल्यूशन यानी शून्य वायु प्रदूषण वाली इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। राज्य के नागरिकों की परिवहन सुविधा के लिए आगामी समय में 367 करोड़ रुपए के खर्च से नई 1200 बीएस-6 बसें सेवा में उतारी जाएंगी। राज्य के 50 बस स्टैंड पर नागरिक सुविधा के लिए एटीएम लगाए जाएंगे।

विश्व बैंक की सहायता से एनकोर प्रोजेक्ट के अंतर्गत रियल टाइम कोस्टल वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे आधुनिक उपकरणों की मदद से खंभात की खाड़ी में गिरने वाली नदियों के एस्चुअरी यानी ज्वारनदमुख के पानी की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। एकता नगर-केवड़िया कॉलोनी में ट्रोमा सेंटर की सुविधा के साथ 50 बिस्तरों वाले जिला स्तर के नए आधुनिक अस्पताल के लिए 3 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

गुजरात एटीएस को बड़ी सफलता, एसओजी के साथ मिलकर करोड़ों का एमडी ड्रग्स पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,गुजरात एटीएस को बड़ी सफलता मिली है। गुजरात एटीएस ने वडोदरा एटीएस के साथ सावली के मोक्सी गांव में संयुक्त रूप से ऑपरेशन कर करोड़ों रुपए क एमडी ड्रग्स बरामद किया है। वडोदर जिले की सावली तहसील के मोक्सी गांव में नेक्टर केम कंपनी में प्रतिबंधित ड्रग्स बनाया जाता

होने की सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस ने यह कार्यवाही की। गुजरात एटीएस और वडोदरा एसओजी की संयुक्त कार्यवाही में मोक्सी के कंपनी से 200 किलो एमडी ड्रग्स की बरामदगी हुई है। जिसकी बाजार कीमत करीब एक हजार करोड़ से भी अधिक बताई जा रही है। कंपनी का मालिक पियूष पटेल होने का प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है।